संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 286
पृष्ठ 8
मंगलवार
08 जुलाई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- गर्मियों में रोजाना इन सुपरफूड्स...

विचार- यादों की उड़ान में सिमटती एक...

खेल- आकाश की तारीफ करने से खुद...

मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में क्यूबा, मलेशिया, वियतनाम, अन्य नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं

हमारे देशों के बीच आर्थिक संबंधों में बहुत वृद्धि की संभावना

रियो डि जनेरियो/ नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्राजील में 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान क्यूबा, मलेशिया और वियतनाम के नेताओं के साथ अलग–अलग 'अच्छी बैठकें' कीं उनसे विभिन्न क्षेत्रों में भारत के सहयोग पर चर्चा की। श्री मोदी ने इन बैठकों की जानकारी सोशल मीडिया पर साझा की। प्रधानमंत्री ने क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज–कैनेल बरमूडेज़ से मुलाकात के बाद कहा कि मुलाकात अच्छी रही। उन्होंने कहा, "इस बातचीत में हमने कई विषयों पर चर्चा की। आने वाले समय में हमारे देशों के बीच आर्थिक संबंधों में बहुत वृद्धि की संभावना है। प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा और ऊर्जा जैसे क्षेत्र भी उतने ही आशाजनक हैं।" प्रधानमंत्री ने इससे पहले 2023 में जोहान्सबर्ग में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति डियाज–कैनेल से मुलाकात की थी, जहाँ क्यूबा विशेष आमंत्रित था। दोनों नेताओं ने आर्थिक सहयोग, विकास साझेदारी, फिनटेक, क्षमता निर्माण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, आपदा प्रबंधन और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की। डिजिटल क्षेत्र में भारत की विशेषज्ञता को स्वीकार करते हुए, राष्ट्रपति डियाज–कैनेल ने भारत के सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और यूपीआई में रुचि व्यक्त की। श्री मोदी ने कहा कि क्यूबा में आयुर्वेद की बढ़ती स्वीकार्यता निश्चित रूप से एक बड़ी बात है। दोनों नेताओं ने आपदा प्रबंधन तंत्र को मजबूत करने के तरीकों पर भी चर्चा की। प्रधानमंत्री ने क्यूबा द्वारा आयुर्वेद को मान्यता दिए जाने की सराहना की और क्यूबा की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में आयुर्वेद को एकीकृत करने के लिए समर्थन दिया। प्रधानमंत्री ने क्यूबा द्वारा भारतीय फार्माकोपिया को मान्यता दिए जाने का प्रस्ताव रखा, जिससे भारतीय जेनेरिक दवाओं तक पहुंच सुनिश्चित होगी। दोनों नेताओं ने स्वास्थ्य, महामारी और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्रों सहित वैश्विक दक्षिण के लिए चिंता के मुद्दों पर काम करने पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने बहुपक्षीय क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग की सराहना की। प्रधानमंत्री ने मलेशिया के अपने समकक्ष श्री अनवर इब्राहिम से मुलाकात के बाद कहा कि मलेशिया भारत के लिए महत्वपूर्ण है। भारत की "महासागर" के विचार और 'एक्ट ईस्ट ' (पूरब के देशों के साथ मिल कर काम करने) की नीति में मलेशिया का महत्वपूर्ण स्थान है। श्री मोदी ने कहा कि इस मुलाकात में उन्होंने प्रधानमंत्री इब्राहिम से उनकी भारत यात्रा के बाद से हुई प्रगति सहित अपने द्विपक्षीय संबंधों में शामिल किए गए क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), नवीकरणीय ऊर्जा और बुनियादी ढांचे जैसे भविष्य के क्षेत्र ऐसे हैं जहां द्विपक्षीय संबंध मजबूती से बढ़ रहे हैं। दोनों नेताओं ने द्विपक्षी निवेश और व्यापार संबंधों के विस्तार पर भी चर्चा की। वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चीन्ह से अच्छी बातचीत हुई।

मोदी सरकार किसके इशारे पर आंखें मूंदे बैठी थी?

राहुल गांधी फिर साधा केंद्र पर निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार पर जेन स्ट्रीट पर सेबी की विस्फोटक कार्रवाई को लेकर तीखा हमला किया, जिसने भारत के 6.2 लाख करोड़ रुपये के पूंजी बाजार के बुनियादी ढांचे में भूचाल ला दिया है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मैंने 2024 में साफ कहा था – F-O बाज़ार बड़े खिलाड़ियों का खेल बन चुका है, और छोटे निवेशकों की जेब लगातार कट रही है। अब SEBI खुद मान रहा है कि जेन स्ट्रीट ने हज़ारों करोड़ की चालाकी की। ष्म्ठप् इतने समय तक चुप क्यों रही? राहुल गांधी ने सवाल किया कि मोदी सरकार किसके इशारे पर आंखें मूंदे बैठी थी? और कितने बड़े शार्क अब भी रिटेल इन्वेस्टर्स को शॉर्ट कर रहे हैं? हर मामले में साफ दिख रहा है – मोदी सरकार अमीरों को और अमीर बना रही है, और आम निवेशकों को बर्बादी की कगार पर धकेल दिया है। जेन स्ट्रीट अमेरिका में स्थित एक प्रसिद्ध स्वामित्व वाली ट्रेडिंग फर्म है, जो 45 से अधिक देशों में सक्रिय है। सेबी ने हाल ही में इस फर्म पर भारत में स्टॉक और इंडेक्स की कीमतों में हेरफेर करके अपने ऑप्शन ट्रेड को लाभ पहुंचाने का आरोप लगाया है। सेबी के अनुसार, जेन स्ट्रीट ने पहले कीमतों को बढ़ाने के लिए स्टॉक खरीदकर और फिर बाद में ऑप्शन सेगमेंट में गिरती कीमतों से पैसे बनाने के लिए उन्हें बेचकर भारी मुनाफा कमाया। नियामक ने इन ट्रेडों से जुड़े 4,800 करोड़ रुपये से अधिक के मुनाफे को फ्रीज कर दिया है और जेन स्ट्रीट और इसकी भारतीय शाखा को बाजार में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया है। सेबी ने चल रही जांच के तहत उनके बैंक और डीमैट खातों को भी फ्रीज कर दिया है।

पाकिस्तान पर बरस पड़े एलजी मनोज सिन्हा बताया आतंकवादी देश, बोले- हम उसके मंसूबों को नहीं होने देंगे कामयाब

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को पाकिस्तान पर क्षेत्र की विकास यात्रा को पटरी से उतारने और समुदायों के बीच मतभेद पैदा करने का आरोप लगाया। ऐशमुकाम में एक धार्मिक समारोह में बोलते हुए एलजी सिन्हा ने पाकिस्तान को एक आतंकवादी देश करार दिया, जो जम्मू–कश्मीर में पिछले पांच वर्षों में कड़ी मेहनत से की गई प्रगति को खत्म करने पर आमादा है। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, उन्होंने कहा कि आतंकवाद को जन्म देने वाला हमारा पड़ोसी पाकिस्तान जम्मू–कश्मीर की शांति और समृद्धि को नष्ट करने की कोशिश कर रहा है। मनोज सिन्हा ने कहा कि जम्मू–कश्मीर के विकास से कुछ लोग नाखुश हैं। कुछ बाहरी लोग हैं, लेकिन कुछ अंदरूनी लोग भी हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान जम्मू–कश्मीर के पांच साल के विकास को नष्ट करना चाहता है। वह हमारी एकता को तोड़ना चाहता है। हमें उसके नापाक इरादों को सफल नहीं होने देना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दुश्मन के एजेंडे को हराने का एकमात्र तरीका एकता और सामूहिक प्रतिरोध है। एलजी ने कहा कि हम सभी को आतंकवादी देश के नापाक इरादों के खिलाफ मिलकर लड़ना चाहिए। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में पुलिस और सुरक्षा बल अहम भूमिका निभा रहे हैं। लेकिन लोगों का सहयोग भी उतना ही जरूरी है। सिन्हा ने इस बात पर जोर दिया कि प्रशासन शांति और समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन यह लक्ष्य तभी हासिल किया जा सकता है जब जनता आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सक्रिय रूप से सहयोग करे। उन्होंने कहा, ष्हमें अपनी पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को समर्थन और समय पर जानकारी देने की जरूरत है ताकि इस खतरे को पूरी तरह से खत्म किया जा सके।

'बम बम भोले' के जयकारों के साथ 8605 अमरनाथ तीर्थयात्रियों का छठा जत्था जम्मू से रवाना

जम्मू एजेंसी। 'बम बम भोले' के जयकारों के साथ श्री अमरनाथ यात्रा के 8605 तीर्थयात्रियों का छठा जत्था सोमवार सुबह भगवती नगर स्थित यात्री निवास से दक्षिण कश्मीर हिमालय में पवित्र गुफा मंदिर के लिए रवाना हुआ। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि तीर्थयात्री 372 वाहनों के बेड़े में जम्मू आधार शिविर से रवाना हुए। उन्होंने कहा, "आज सुबह 8605 तीर्थयात्रियों का छठा जत्था कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जम्मू आधार शिविर से कश्मीर में श्री अमरनाथ यात्रा गुफा मंदिर के लिए रवाना हुआ।" उन्होंने कहा कि हल्के मोटर वाहन और भारी मोटर वाहन सहित 372 वाहनों के बेड़े में 5119 तीर्थयात्री पहलगाम और 3486 तीर्थयात्री बालटाल के लिए रवाना हुए। गौरतलब है कि प्रदेश के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को यहां से तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था।

कभी भी छिड़ सकता है विश्व युद्ध, नागपुर में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का बड़ा बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि इस समय दुनिया में संघर्ष का माहौल है और इजरायल–ईरान, रूस–यूक्रेन के बीच जो कुछ हो रहा है, उसकी पृष्ठभूमि में कभी भी विश्व युद्ध छिड़ सकता है। शबियॉन्ड बॉर्डर्सश पुस्तक के विमोचन के अवसर पर बोलते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि युद्ध से जुड़ी तकनीकी प्रगति के कारण मानवता की रक्षा करना भी मुश्किल हो रहा है। गडकरी ने कहा कि इस समय पूरी दुनिया में

इजरायल और ईरान के बीच तथा रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को लेकर संघर्ष का माहौल चल रहा है। स्थिति ऐसी है कि इन दोनों चल रहे युद्धों की पृष्ठभूमि में कभी भी विश्व युद्ध छिड़ने की आशंका है। गडकरी ने कहा कि आज का युद्ध केवल सैनिकों तक सीमित नहीं है, बल्कि मिसाइलों, ड्रोन और अत्याधुनिक तकनीक के जरिए नागरिकों को सीधे निशाना बनाया जा रहा है। गौरतलब है कि गडकरी ने रूस–यूक्रेन और इजरायल–ईरान युद्धों का हवाला देते हुए कहा कि महाशक्तियों की तानाशाही और अधिनायकवाद के कारण समन्वय, सद्भाव और प्रेम गायब हो रहा है और दुनिया भर में संघर्ष का माहौल है। भारत को बुद्ध की भूमि बताते हुए गडकरी ने विश्व को सत्य, अहिंसा और शांति का संदेश देने वाली धरती बताया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों की समीक्षा करने और विचार–विमर्श के बाद भविष्य की नीति निर्धारित करने की आवश्यकता पर बल दिया। गडकरी ने आगे कहा कि उन्नत प्रौद्योगिकी के कारण युद्ध के आयाम बदल गए हैं, मिसाइलों और ड्रोन का उपयोग बढ़ रहा है, जिससे टैंक और अन्य प्रकार के विमानों की प्रासंगिकता कम हो रही है। वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा, ष्इन सबके बीच मानवता की रक्षा करना मुश्किल हो गया है। अक्सर नागरिक बस्तियों पर मिसाइलें दागी जाती हैं। इससे एक गंभीर समस्या पैदा हो गई है और इन सभी मुद्दों पर वैश्विक स्तर पर चर्चा करने की जरूरत है।

महाराष्ट्र तट पर संदिग्ध नाव मिलने से हड़कंप, नौसेना अलर्ट

रायगढ़, एजेंसी। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में रेवदंडा तट के पास एक संदिग्ध नाव, संभवतः एक पाकिस्तानी मछली पकड़ने वाली नाव देखी जाने के बाद पुलिस और समुद्री सुरक्षा एजेंसियों ने सोमवार को अपनी तलाशी और जांच तेज कर दी। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि रविवार रात को भारतीय नौसेना के रडार पर नाव को रेवदंडा में कोरलाई तट से करीब दो समुद्री मील दूर देखा गया। अधिकारी ने बताया कि यह संभवतः एक पाकिस्तानी मछली पकड़ने वाली नाव थी, लेकिन नाव को रोके जाने के बाद इसकी पहचान और अन्य विवरण का पता लगाया जाएगा। एक अधिकारी ने पहले कहा था कि प्रथम दृष्टया ऐसा संदेह है कि नाव बहकर रायगढ़ तट पर आ गई है। नाव के देखे जाने के बाद रायगढ़ में समुद्र तट पर सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। उन्होंने कहा कि अलर्ट के बाद रायगढ़ पुलिस, बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड (बीडीडीएस), क्विक रिस्पॉन्स टीम (क्यूआरटी), नौसेना और तटरक्षक बल के जवान रात में ही मौके पर पहुंचे और तलाशी शुरू की। भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण रात में नाव तक पहुंचने के प्रयास बाधित हुए। अधिकारी ने कहा कि रायगढ़ की पुलिस अधीक्षक आंचल दलाल वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ स्थिति की निगरानी के लिए तट पर पहुंच गई थीं।

कई देशों की जीडीपी से बड़ा है भारत का रक्षा बजट

डीआरडीओ के कार्यक्रम में बोले राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ द्वारा आयोजित नियंत्रक सम्मेलन को संबोधित कया।

इस दौरान राजनाथ ने कहा कि अगर आप हमारे रक्षा बजट को देखें तो यह दुनिया के कुछ देशों के सकल घरेलू उत्पाद से भी बड़ा है। जब लोगों की मेहनत की कमाई का एक बड़ा हिस्सा रक्षा मंत्रालय को आवंटित किया जाता है, तो हमारी जिम्मेदारी कई गुना बढ़ जाती है। हमें प्रभावी विकास की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि हमारा रक्षा व्यय ऐसा होना चाहिए कि न केवल बजट बढ़े, बल्कि हम इसका सही तरीके से उपयोग भी कर सकें – सही समय पर सही उद्देश्य के लिए उचित तैनाती के ज़रिए। रक्षा मंत्री ने कहा कि रक्षा अधिग्रहण परिषद ने पहली बार ळमड पोर्टल से पूंजीगत खरीद की अनुमति दी है, यह एक सराहनीय कदम है। मुझे यह भी बताया गया है कि विभाग रक्षा कर्मियों के लिए व्यापक वेतन प्रणाली और केंद्रीकृत डेटाबेस प्रबंधन पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा क दुनिया हमारे रक्षा क्षेत्र की ओर देख रही है।

डॉ. प्रतीक रोटरी प्लेटिनम के अध्यक्ष और संजय बने सचिव

प्रयागराज। रोटरी प्रयागराज प्लेटिनम का वार्षिक अधिष्ठापन समारोह लक्ष्य रविवार को सिविल लाइंस स्थित एक होटल में आयोजित किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. प्रतीक पांडेय व सचिव संजय तलवार ने शपथ लिया। पूर्व अध्यक्ष शशांक जैन

ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को कॉलर पहनाकर सम्मानित किया। क्लब में 21 नए सदस्यों का औपचारिक समावेश भी हुआ। मुख्य अतिथि पूनम गुलाटी, विशिष्ट अतिथि अजय शर्मा व अमृता अग्रवाल रहीं। अतिथियों का स्वागत उपहार जायसवाल ने किया। क्लब सलाहकार पीयूष रंजन अग्रवाल ने कहा कि रोटरी नेतृत्व और सेवा का संगम है। संचालन एकता तलवार और धन्यवाद मनीष गर्ग ने ज्ञापित किया।

गंगा जमुनी तहजीब: ताजिये में लहराया तिरंगा, शिव मंदिर से की गई पानी की बौछार

प्रयागराज। ताजिये के जुलूस के दौरान प्रयागराज में गंगा जमुनी तहजीब की अनूठी मिसाल देखने को मिली। उमस भरी गर्मी को देखते हुए ताजिये में शामिल लोगों को राहत देने के लिए रोशनबाग तिराहे के पास स्थित शिव मंदिर से पानी की बौछार की गई। ताजिये के जुलूस के दौरान प्रयागराज में गंगा जमुनी तहजीब की अनूठी मिसाल देखने को मिली। उमस भरी गर्मी को देखते हुए ताजिये में शामिल लोगों को राहत देने के लिए रोशनबाग तिराहे के पास स्थित शिव मंदिर से पानी की बौछार की गई। मुस्लिम समुदाय की ओर से इस पहल की सराहना की गई। इस

दौरान कुछ स्थानों पर हिंदुओं की ओर से शरबत आदि वितरण का भी इंतजाम किया गया। ताजिये में शामिल कुछ लोगों ने तिरंगा भी हवा में लहराया। पानी की बौछार होने से वहां लोगों ने बड़ी राहत महसूस की। ताजिया लेकर जुलूस में चल रहे मो. इरफान और फहीम खान ने कहा कि उमस ज्यादा थी। ऐसे में जिन लोगों ने शिव मंदिर से पानी की बौछार की उन्हें हम शुक्रिया करते हैं।

अधिवक्ता के घर से गहने, नकदी चोरी

प्रयागराज। अशोक नगर निवासी अधिवक्ता के घर का ताला तोड़कर हीरे की अंगूठी और घड़ी समेत 50 हजार की नकदी चोरी हो गई। अधिवक्ता प्रतीक द्विवेदी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह अपने परिवार के साथ 15 जून को कानपुर गए थे। वापस लौटने पर उनकी पत्नी ने कमरे का दरवाजा खोला तो अलमारी खुली हुई थी। अलमारी से 50 हजार की नकदी, करीब दो लाख की हीरे की अंगूठी व घडी गायब थी।

जबलपुर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

जबलपुर। शहर समता विचार जबलपुर इकाई की काव्यगोष्ठी जून माह के काव्य गोष्ठी ऑनलाइन सफलतापूर्वक संपन्न ।

काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अध्यक्षता कर रही रचना सक्सेना , मुख्य अतिथि साधना शुक्ला सारस्वत अतिथि आशा जाकड़ विशिष्ट अतिथि छाया त्रिवेदी, डा.राजलक्ष्मी शिवहरे एवं अर्चना

मलैया , श्रीमती चंद्र प्रकाश वैश्य सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति राजकुमारी रैकवार द्वारा । काव्य गोष्ठी का संयोजन उमा मिश्रा प्रीति एवं संचालन अनीता दुबे ने किया। अतिथियों का स्वागत छाया सक्सेना एवं गायत्री चौबे। काव्य गोष्ठी में सभी बहनों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। रेखा चौधरी, आरतीशर्मा मंजूषाकिंजवडकर ,राजकुमारी रैकवार, प्रभा बच्चन श्रीवास्तव रचना सक्सेना जबलपुर, रश्मि पांडे,डॉ आशा श्रीवास्तव, शशिकला सेन, अनुराधा गर्ग, डॉ मुकुल तिवारी, डा. कुमकुम शुक्ला , कुमारी चंदा देवी स्वर्णकार शैली सेठ। धन्यवाद ज्ञापन सिद्धेश्वरी सराफ शीलू द्वारा किया।

महाकुम्भ समापन के चार महीने बीते, राह पर अब भी डायवर्जन की दीवार

प्रयागराज। महाकुम्भ मेला के दौरान यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए जहां कई नई सड़कें बनाई गईं, वहीं कई मार्गों को बैरिकेडिंग कर बंद कर दिया गया था। न्यू अलोपीबाग की एक सड़क को भी आरसीसी के बड़े–बड़े बोल्डर लगाकर बंद किया गया। अब मेला बीते चार माह से ज्यादा समय हो गया, लेकिन बैरिकेडिंग हटाकर सड़क अभी तक नहीं खोली गई। इससे सैकड़ों लोगों को दूसरे रास्तों से आना–जाना पड़ता है। कई दशक से इस सड़क से आवागमन कर रहे लोग रास्ता बंद होने से परेशान हैं।

प्रशासन की इस लापरवाही से परेशान लोगों का कहना था कि लगातार शिकायत के बाद जिम्मेदार नहीं सुन रहे हैं। महाकुम्भ मेला के दौरान भारी यातायात दबाव के चलते न्यू अलोपीबाग में पेट्रोल टंकी के बगल वाली सड़क को आरसीसी के बोल्डर लगाकर बंद कर दिया गया था। उस दौरान भीड़ को देखते हुए कई मार्ग बंद कर दिए गए थे, जो मेला समाप्त होने के बाद खोल दिए गए, लेकिन न्यू अलोपीबाग की सड़क पर की गई बैरिकेडिंग को हटाना प्रशासन भूल गया। यहां के बाशिंदों को आवागमन में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। लोगों को फोर्ड रोड चौराहा या गीता निकेतन की ओर से घूम कर आना–जाना पड़ रहा है। यह रास्ता बंद कर दिए जाने से फोर्ड रोड चौराहा सहित कई जगह जाम लगने लगा है। करीब छह दशक पूर्व बसे न्यू अलोपीबाग में तमाम जनप्रतिनिधि, व्यवसायी, शिक्षाविद और प्रशासनिक अधिकारी भी रह रहे हैं। पेट्रोल टंकी के बगल वाली सड़क से होकर लोग सीधे मुख्य मार्ग पर आ जाते थे। लेकिन लगभग पांच माह से पेट्रोल टंकी के बगल की सड़क बंद होने से लोग परेशान हैं। आवागमन के लिए गीता निकेतन और फोर्ड रोड चौराहे वाला रास्ता विकल्प है।

रॉन्ग साइड से निकलने के कारण गीता निकेतन और फोर्ड रोड चौराहे पर जाम भी लग रहा है। लोगों को उम्मीद थी कि महाकुम मेला बीत जाने के बाद बैरिकेडिंग हटाकर रास्ता खोल दिया जाएगा। अब तक

सड़क पर बैरिकेडिंग को लेकर लोग लगातार शिकायत कर रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे हैं। इस समस्या से करीब दो सौ से ज्यादा परिवार प्रभावित हैं। सैकड़ों लोगों को मार्ग बदल कर दूसरे रास्ते से आना जाना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने इसकी शिकायत नगर निगम के उच्चाधिकारियों सहित महापौर से भी की। मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई, लेकिन समस्या का निदान नहीं हो पाया है। इससे लोगों में काफी नाराजगी है। जल निकासी की व्यवस्था ध्वस्त, सड़कों पर जलभराव यहां जल निकासी की समस्या से भी लोग लम्बे समय से परेशान हैं, लेकिन समस्या का स्थायी निदान नहीं हो सका है। यहां जल निकासी के लिए नालियों नहीं बनी हैं, जहां बनी हैं वहां अतिक्रमण कर निर्माण कर लिए गए हैं। इससे पानी की निकासी नहीं हो पाती और गंदा पानी सड़क पर भरा रहता है। पेट्रोल टंकी के पास से बगल से एक बड़ा नाला गया है। लेकिन नालियां नाले से कनेक्ट नहीं हैं, जिससे बारिश में जलभराव की विकट समस्या हो रही है। लोग लगातार पक्की नालियां बनाने की मांग करते आ रहे हैं। खींचतान से विकास हो रहा बाधित न्यू अलोपीबाग का कुछ हिस्सा अलोपीबाग वार्ड में आता है, जबकि कुछ भाग मधवापुर वार्ड में लगता है। दो वार्डों में बसे इस इलाके को जनप्रतिनिधि कुछ खास तवज्जो नहीं देते, जिससे क्षेत्र का विकास प्रभावित हो रहा है। यहां सफाई व्यवस्था बेहद लचर है। जगह जगह गंदगी पसरी रहती है। अतिक्रमण और अवैध निर्माण के कारण कॉलोनी की सूरत बिगड़ रही है। बीच सड़क डेयरी चल रही है। सड़क पर मवेशी बांधे जाते हैं। शिकायत के बावजूद सुनवाई नहीं हो रही है। खुले पड़े हैं बिजली उपकरण, गिर सकता है खंभा यहां पार्क के पास बिजली के उपकरण खुले में लगे हुए कचरा पसरा रहता है। – बिजली के उपकरण खुले हुए हैं, जर्जर खंभे कभी भी गिर सकते हैं। सुझाव – बैरिकेडिंग हटा कर आवागमन सुगम कराया जाए। – सड़क के दोनों तरफ पक्की नालियों का निर्माण किया जाए। – सफाई व्यवस्था दुरुस्त हो, इसकी मॉनीटरिंग की जाए। – बिजली के उपकरणों को ढक कर सुरक्षित किया जाए। हमारी भी सुनें बैरिकेडिंग कर सड़क बंद कर दी गई है, जिसके कारण हम लोगों को घूमकर आना–जाना पड़ रहा है। सड़क को खोल दिया जाए तो काफी राहत मिले। – प्रो. अंजना श्रीवास्तव हम लोग कई दशक से यहां रह रहे हैं और इसी रास्ते से आते–जाते रहे हैं, लेकिन महाकुम्भ के दौरान बंद की गई सड़क को अभी तक नहीं खोला गया। – प्रो. अम्बालिका सिन्हा बैरिकेडिंग कर रास्ता बंद कर दिया गया। लोगों ने बोल्डर खिसका कर कुछ रास्ता बना लिया है, बाइक तो निकल जाती है, लेकिन कार नहीं निकल पाती। – प्रो. मनीष सिन्हा महाकुम्भ मेला के दौरान रास्ता बंद कर दिया गया जो अभी बंद है। इससे हम लोग काफी परेशान हैं, फोर्ड रोड चौराहे की तरफ से घूम कर जाना पड़ रहा है। –अरुण श्रीवास्तव नालियों के अभाव में बारिश का पानी नहीं निकल पाता और सड़कों पर जलभराव हो जाता है। पक्की नालियां बन जाए तो लोगों को राहत मिले। – संगमलाल गुप्ता बिजली के उपकरण खुले में लगे हुए हैं और खंभे जर्जर हो चुके हैं, जिससे कभी भी हादसा हो सकता है। जिम्मेदारों को इस पर ध्यान देना होगा। – राकेश खरे रास्ता बंद होने से बड़ी संख्या में लोग परेशान हैं। इस रास्ते से कई दशक से आते–जाते रहे हैं, रास्ता खुलना बेहद जरूरी है। कोई सुनवाई नहीं हो रही है। – अनिल निगम रास्ता बंद कर देने से घूम कर आना–जाना पड़ रहा है। प्रशासन रास्ता खुलवा कर समस्या का समाधान कराए। लोगों की सहूलियत का ख्याल रखा जाए। – पुलकित पेट्रोल टंकी के पास की सड़क से होकर ही हम लोग आते–जाते रहे हैं, लेकिन महाकुम्भ के दौरान अचानक यह रास्ता बंद कर दिया गया जिससे बड़ी परेशानी खड़ी हो गई है। – अलका खरे कॉलोनी में सफाई कभी नहीं होती। गलियों में कचरा फैला रहता है। अब तो रास्ता भी बंद कर दिया गया है। समस्याओं का समाधान जरूरी है। – नीरज उपाध्याय महाकुम्भ मेला के समय इस सड़क को बंद किया गया था, अब इतना समय गुजरने के बाद भी बैरिकेडिंग नहीं हटाई गई है। लोग परेशान हैं। – शैल उपाध्याय पेट्रोल टंकी के पास की सड़क यहां का मुख्य रास्ता था। इसे बंद करना उचित नहीं है। बड़ी संख्या में लोग आवागमन करते थे। – राज गुप्ता जब से रास्ता बंद कर दिया गया है हम लोगों को घूम कर जाना पड़ रहा है। गीता निकेतन या फोर्ड रोड चौराहे की तरफ से जाते हैं तो जाम में फंस जाते हैं। – शैलेन्द्र त्रिपाठी किसी का रास्ता बंद कर दें तो परेशानी तो होगी ही, लेकिन इसे तो जिम्मेदारों को देखना होगा कि समस्या का समाधान कैसे हो। रास्ता खुले तो राहत मिले। – तृप्ति सिंह पहले हम लोग पेट्रोल पंप के पास से होकर आसानी से आते–जाते थे, लेकिन कई लंबे समय से सड़क को बंद कर देने से सभी परेशान हैं। ऋतु पाल सड़क को बंद कर देने के कारण हमें घूम कर जाना पड़ रहा है। महाकुम्भ मेला समाप्ति के बाद सड़क से बैरिकेडिंग हटा लेनी चाहिए थी। – शिप्रा रास्ता कब खुलेगा, कोई जिम्मेदार जवाब भी नहीं दे रहा है। यह रास्ता अब तक क्यों बंद रखा गया है। सभी लोग परेशान हैं। – सोनाली महाकुम्भ मेले के दौरान रास्ता बंद कर दिया गया तो लगा कि यह समस्या अस्थाई है। मेला बाद रास्ता खुल जाएगा, लेकिन अभी तक बैरिकेडिंग हटाकर रास्ता नहीं खोला गया। – पीके सिन्हा

24 घंटे में गंगा का 43 और यमुना का 37 सेंटीमीटर बढ़ा जलस्तर, किनारे रहने वालों की बढ़ी मुश्किलें

प्रयागराज। गंगा–यमुना का जलस्तर फिर तेजी से बढ़ने लगा है। 24 घंटे में रविवार को गंगा का जलस्तर 43 और यमुना का 37 सेंटीमीटर बढ़ा है। प्रशासन से मिले आंकड़ों के अनुसार रविवार को सुबह आठ बजे तक फाफामऊ की तरफ गंगा का जलस्तर 43 सेंटीमीटर, नैनी की तरफ यमुना का जलस्तर 37 सेंटीमीटर व छतनाग की तरफ 35 सेंटीमीटर बढ़ गया।

गंगा–यमुना का जलस्तर फिर तेजी से बढ़ने लगा है। 24 घंटे में रविवार को गंगा का जलस्तर 43 और यमुना का 37 सेंटीमीटर बढ़ा है। प्रशासन से मिले आंकड़ों के अनुसार रविवार को सुबह आठ बजे तक फाफामऊ की तरफ गंगा का जलस्तर 43 सेंटीमीटर, नैनी की तरफ यमुना का जलस्तर 37 सेंटीमीटर व छतनाग की तरफ 35 सेंटीमीटर बढ़ गया। वहीं, शाम चार बजे तक जारी आंकड़ों के अनुसार फाफामऊ में गंगा का जलस्तर आठ सेंटीमीटर, छतनाग की तरफ दो सेंटीमीटर बढ़ गया।

नैनी की तरफ यमुना का जलस्तर स्थिर रहा। शाम चार बजे तक फाफामऊ की तरफ गंगा का जलस्तर 77.93 सेंटीमीटर, यमुना का 75.88 सेंटीमीटर और छतनाग की तरफ 75.40 सेंटीमीटर रिकॉर्ड किया गया। अभी गंगा–यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से 7.641 मीटर दूर है।

भयहरण नाथ धाम में सावन मेला के संदर्भ में उप जिला मजिस्ट्रेट का आदेश संबन्धितों को जारी

महासचिव समाज शेखर द्वारा जिलाधिकारी महोदय से किये गए आगह के क्रम में 3 जुलाई को जारी हुआ आदेश

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन ऐतिहासिक व धार्मिक पर्यटक स्थल भयहरण नाथ धाम में 11 जुलाई से 09 अगस्त तक एक माह चलने वाले सावन मेले के संदर्भ में उप जिला माजिस्ट्रेट का आदेश संबन्धितो को जारी हुआ है। नगर पंचायत, पुलिस , राजस्व, विद्युत, जल निगम, लोक निर्माण, अग्नि शमन व स्वास्थ्य आदि विभाग को स्पष्ट निर्देश दिये गए है।

उप जिलाधिकारी सदर नैन्सी सिंह ने भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव समाज शेखर द्वारा जिलाधिकारी महोदय को प्रबन्ध समिति की ओर से भेजे गए के संस्तुति पत्र के क्रम में पत्रांक संख्या 161 द्वारा 3 जुलाई को संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश के साथ आदेश जारी किया है।

एस डी एम सदर नैन्सी सिंह ने अवैद्य वसूली व चोरी आदि पर अंकुश लगाने हेतु क्षेत्राधिकारी सदर व थानाध्यक्ष जेठवारा को स्पष्ट निर्देश दिया है। सीएमओ को एंबुलेंस के साथ स्वास्थ्य शिविर लगाने तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के आयोजन की जिम्मेदारी दी है। लोक निर्माण विभाग को मुख्य सड़क दुरुस्त करने व पटरी को ठीक कराने का निर्देश दिया है वहीं अन्य स्थानीय मार्गो व बकुलाही नदी पुल के पास दोनों तरफ मिट्टी डालने व मार्ग दुरुस्त करने को नगर पंचायत को जिम्मेदारी दी गई है। नगर पंचायत के अधिशाषि अधिकारी को साफ सफाई, शौचालय, हैंड पंप सहित सभी मूलभूत व्यवस्थाके निर्देश दिया गया है।

उपजिला मजिस्ट्रेट सदर नैन्सी सिंह ने नायब तहसीलदार सदर बालेंदु शेखर पांडेय को भय हरण नाथ धाम के सावन मेला के मेला मजिस्ट्रेट के रूप में पदस्थापित किया है। वहीं तहसीलदार सदर को मेला क्षेत्र में आवश्यकतानुसार कानूनगो व लेखपाल की शिफ्ट वार ड्यूटी लगाने के निर्देश दिया गया है। विद्युत विभाग, जल निगम व सफाई कर्मियों की शिफ्ट वाइज सतर्क जिम्मेदारी तय करने तथा सुव्यवस्था के निर्देश दिया है। पुलिस विभाग को अस्थाई चौकी के साथ पर्याप्त पुलिस बल महिला पुलिस व होमगार्ड व पीएसी लगाने के निर्देश दिया गया है।

प्रति वर्ष परम्परागत रूप से नागपंचमी पर होने वाले घुघुरी लोक उत्सव 29 जुलाई को होगा। घुघुरी लोक उत्सव में सामाजिक व सांस्कृतिक आयोजनों तथा शासन के जागरूकता परक कार्यक्रम की जिम्मेदारी सूचना विभाग व धाम के महासचिव सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर को दी गई। मुख्य मंदिर के सामने व मुख्य मार्गो पर अतिक्रमण न हो। आवागमन हेतु पर्याप्त खाली भूमि छोड़ने हेतु पुलिस थाना व नगर पंचायत को जिम्मेदारी दी गई है। महासचिव समाज शेखर ने बताया की धाम में प्रबन्ध समिति के मार्गदर्शन में मंदिर व मेला व्यवस्था समितियाँ जिला पुलिस व प्रशासन तथा नगर पंचायत व सभी विभागों से समन्वय करके सुव्यवस्था हेतु तत्पर है। उन्होंने सावन माह में प्रत्येक मंगलवार मेले के दिन भीड़ अधिक होगी आवागमन व सुचारु व्यवस्था हेतु पर्याप्त पुलिस बल व सुव्यवस्था को जरूरी बताया

भाकियू संघर्ष मोर्चा के स्थापना दिवस पर बुजुर्गों का हुआ सम्मान

मोरना। गांव टंढेडा में स्थित विधालय प्रांगण में भारतीय किसान यूनियन संघर्ष मोर्चा के एक वर्ष पूर्ण होने पर स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रदेश व जनपद के पदाधिकारियों ने विचार प्रकट करते हुए किसान मजदूर के अधिकारो के लिए संघर्ष की शपथ ली। कार्यक्रम में पदाधिकारियों एवं गणमान्य व्यक्तियों को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया।

ककरौली थाना क्षेत्र के गांव टंढेडा में रविवार को भाकियू संघर्ष मोर्चा के स्थापना दिवस कार्यक्रम में पहुंचे मुख्य अतिथि अखिल भारतीय लव वंशीय लोर खत्री खाप के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ. सुरेंद्र सिंह ने कहा कि संगठन के सभी पदाधिकारियों ने मेहनत कर संगठन को मजबूत बनाने का काम किया है। आज

देश को जाति धर्म में बांटकर राजनीति करने का काम किया जा रहा है । हिन्दू मुस्लिम सभी को एक साथ मिलकर किसानों के अधिकारों की लड़ाई लड़नी पड़ेगी। छात्र संघ अध्यक्ष यूनिवर्सिटी दिल्ली के रौनक खत्री ने कहा कि आज के युग में अपनी लड़ाई स्वयंही लड़नी होगी। सभी को अब एक नारा लगा कर चलना है जय जवान जय किसान जय छात्र। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश चौधरी ने कहा कि संगठन भारत के छः राज्यों में खड़ा किया जा चुका है। टंढेडा गांव की भूमि पर पहला स्थापना दिवस मनाया गया है सितंबर माह में हरिद्वार से लेकर दिल्ली बॉर्डर तक हजारों की संख्या में संगठन कार्यकर्ता पैदल यात्रा कर किसानों की लड़ाई लडने का काम करेगे कार्यक्रम की अध्यक्षता चौधरी यशपाल सिंह ने तथा संचालन प्रमोद तंवर व बिजेंद्र उपाध्याय ने किया। इस दौरान देवेंद्र सिंह,निक्की चौधरी, पीयूष मलिक, रणधीर सिंह राजस्थान, अतरसिंह सोनीपत, मंजू शामली,जशवीर खत्री,मोनु पवार मेरठ, कपिल प्रधान,, जसवंत सिंह, अतरसिंह सोनीपत,साजिद अली, अनुज पहलवान, नवीन चौधरी आदि उपस्थित रहे।

हाईकोर्ट ने डीआरटी में पीठासीन अधिकारी की नियुक्ति करने का दिया निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ऋण वसूली न्यायाधिकरण (डीआरटी) प्रयागराज में पीठसीन अधिकारी की नियुक्ति न होने पर चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा, डीआरटी की निष्क्रियता से ऋण वसूली से जुड़े मामलों में देरी हो रही है। इसके चलते यह मामले हाईकोर्ट में आ रहे हैं। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति शेखर बी सराफ और न्यायमूर्ति प्रवीण कुमार गिरि की खंडपीठ ने गोरखपुर निवासी यदुनंदन पांडेय की याचिका पर की। कोर्ट ने वित्त मंत्रालय को जल्द नियुक्तियां करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने पाया कि डीआरटी के कामकाज ठप होने से हाईकोर्ट में ऋण वसूली से जुड़े मामलों की बाढ़ आ गई है। पहले इन मामलों को जबलपुर डीआरटी में देखा जा रहा था, लेकिन 24 जून से वह व्यवस्था भी समाप्त हो चुकी है। कोर्ट ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए रजिस्ट्री को निर्देश दिया कि वह आदेश की प्रति वित्त मंत्रालय और एडिशनल सॉलिसिटर जनरल को भेजे। अगली सुनवाई पर एडिशनल सॉलिसिटर जनरल को उपस्थित रहने का भी निर्देश दिया है। हालांकि, कोर्ट ने याचिकाकर्ता को अंतरिम राहत देने से इन्कार कर दिया। क्योंकि, संपत्ति पहले ही बेची जा चुकी थी। अगली सुनवाई 29 जुलाई को होगी।

आबकारी विभाग का स्पेशल अभियान शुरू

डीएम उमेश मिश्रा का कांवड़ यात्रा को लेकर खास अभियान शुरू

जनपद मुजफ्फरनगर में आज से आबकारी विभाग का कांवड़ यात्रा मार्ग को लेकर अभियान शुरू

कांवड़ यात्रा मार्ग पर पड़ने वाली शराब की दर्जनों दुकानों पर कपड़े से ढकवाने कार्य शुरू

जिला आबकारी अधिकारी राकेश बहादुर सिंह के दिशा निर्देशन व आबकारी इंस्पेक्टर अनिल कुमार के नेतृत्व कार्य शुरू

कांवड़ यात्रा मार्ग पर पड़ने वाली सभी शराब की कैंटीन 10 जुलाई से 23 जुलाई तक रहेगी पूर्णतया बंद

डीएम उमेश मिश्रा व आबकारी अधिकारी राकेश बहादुर सिंह के सख्त दिशा निर्देश, शराब की दुकानों पर खड़ा होकर कोई ना कर सके शराब का सेवन

देवशयनी एकादशी पर सत्संग का आयोजन टी

मुजफ्फरनगर। गीता श्याम सत्संग द्वारा दक्षिणी कृष्णापुरी स्थित अग्रजन भवन पर देवशयनी एकादशी पर सत्संग का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्या मंजू गोयल के सानिध्य में व मनीषा गोयल के संयोजन में आयोजित सत्संग में देवशयनी एकादशी व्रत की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए गुरू वाणी में बताया गया कि आषाढ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवशयनी एकादशी के नाम से जाना जाता है ।

देवशयनी एकादशी से ही भगवान विष्णु 4 माह के लिए योगनिन्द्रा में चले जाते हैं इस दौरान मुंडन संस्कार, शादी–ब्याह, गृह प्रवेश आदि सभी मांगलिक कार्यों को करना निषेध माना गया है। देवशयनी एकादशी के दिन व्रत उपवास करने के साथ–साथ श्री हरि विष्णु और मां लक्ष्मी की की पूजा को अत्यंत शुभ माना गया है । ऐसी मान्यता है कि देवशयनी एकादशी का व्रत–उपवास करने के साथ कथा सुनने से भगवान विष्णु की कृपा से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और मृत्यु पश्चात मोक्ष की प्राप्ति होती है व समस्त पापों से मुक्ति मिलती है।

इन्जीनियर्स क्लब के सचिव इं० बसन्त कुमार गोयल ने बताया कि सत्संग संयोजन में पवित्रा गोयल, सरिता बंसल, अनिता गर्ग, संगीता शर्मा, पूनम शर्मा आदि का विशेष योगदान रहा जबकि श्यामो देवी, सुशीला शर्मा, दमयन्ती देवी, सुमन शर्मा, प्रकाशी शर्मा, सोहनबीरी धीमान, सन्तोष वर्मा, खुशी सक्सेना, रिमझिम गोयल आदि ने गुरू चरणों की वन्दगी करते हुए श्रद्धापूर्वक भजन–कीर्तन में सहभाग किया।

कलाकार डा. ज़ाहेदा खानम को मिला स्वदेश नवरत्न–अचीवर अवार्ड 2025

प्रयागराज । डॉ. ज़ाहेदा खानम को स्वदेश संस्थान भारत का सबसे बड़ा पुरस्कार, नवरत्न अचीवर अवार्ड –2025 से सम्मानित किया गया है, जो उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों और समर्पण का प्रतीक है। यह पुरस्कार विश्व के केवल नौ लोगों को दिया जाता है, विदित हो यह पुरस्कार कलाकारों के विशेष उपलब्धियों पर दिया जाता है और बहुमुखी प्रतिभा की धनी डॉ ज़ाहेदा खानम ने देश–विदेश में लगाई गई अपने चित्र प्रदर्शनियों में सैकड़ो राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार तथा सम्मान प्राप्त कर प्रयागराज तथा देश का नाम रोशन किया है। तथा प्रयागराज में प्रथम प्राइवेट आर्ट गैलरी की स्थापना कर कलाकारों को एक भव्य मंच भी प्रदान किया है जो उनकी विशेष उपलब्धि है । डॉ. ज़ाहेदा खानम को यह सम्मान स्वदेश संस्थान भारत के अध्यक्ष एस. बी. सागर प्रजापति के द्वारा प्राप्त हुआ है। उनकी इस उपलब्धि के लिए प्रयागराज के प्रख्यात कलाकारों में रवीन्द्र कुशवाहा मा० सदस्य राज्य ललित कला अकादमी संस्कृत विभाग उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद म्यूजियम के मूर्तिकार डॉ नगीना राम, वरिष्ठ कलाकार तलत महमूद, कसीम फारूकी, राजेंद्र भारती, नीरज हिंदुस्तानी, शुभम कुशवाहा, इत्यादि ने डॉ ज्याहेदा खानम कि इस विशिष्ट कला उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी है।

बेलडा मे मुख्य मार्गो से निकला ताजियो का मातमी जुलूस

भोपा। मोहर्रम की 10 तारीख को बेलडा मे शिया सोगवारों ने खूनी मातम कर जुलूस निकाला जुलूस इमाम बारगाह शब्बीर हुसैन से बरामद होकर मुख्य मार्गो से होता हुआ करबला मे पहुंचा जहां ताजिये दफन किये गये।

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या– 230–वि0/क0वि0/प्रयागराज/ई टेण्डर/2025–567 दिनांक 04.07.2025

ई–निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/क०वि०/उ०म०रे०/प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एंव उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा सं० – 230–क०वि०–कार्य ठेका– 958–2025	
कार्य का विवरण– आईसीडी यार्ड दादरी, प्रयागराज डिवीजन, एन. सी. रेलवे में सहायक ट्रांसफार्मर का संवर्द्धन, विद्युतीकृत साइडिंग का निराकरण और 25 केवी ओएचई का संशोधन का कार्य।	
अनुमानित लागत– रू 26,04,305.32	बिड सुरक्षा राशि– रू. 52,100.00
कार्य अवधि– 06 महीना	बेली प्रणाली– एक पैकेट
निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय– 25.07.2025, 14.30 बजे	
निविदा खुलने की तिथि तथा समय– 25.07.2025, 15.30 बजे	

नोटः– 1. उपरोक्त ई–निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2. उपरोक्त निविदा में ई. बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकि समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1170/25 (D)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3110 की अवॉर्ड सेरेमनी मथुरा में सम्पन्न, सेवा कार्यो की हुई भव्य प्रस्तुति और सराहना

मथुरा। रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3110 की वार्षिक अवॉर्ड सेरेमनी का आयोजन रविवार को मथुरा के प्रतिष्ठित होटल अभिनंदन में भव्य रूप से किया गया। यह कार्यक्रम रोटरी वर्ष के समापन से पूर्व आयोजित किया गया, जिसमें डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ने अपनी कोर टीम के साथ मिलकर वर्षभर उत्कृष्ट सेवा कार्यों के लिए क्लबों और रोटेरियन्स को सम्मानित किया। समारोह में न केवल सम्मान प्रदान किए गए, बल्कि पूरे वर्ष के महत्वपूर्ण सामाजिक कार्यों की झलक भी प्रस्तुत की गई, जिसने सभी उपस्थित जनों को प्रेरित किया।प्रमुख अवॉर्ड से में पूर्ण कार्य को करने के लिए सोनल अग्रवाल, आशुतोष अग्रवाल, मार्गदर्शन एवं ब्ट के लिए पवन अग्रवाल च्क्ळ, रवि प्रकाश अग्रवाल च्क्ळ कृष्ण दयाल अग्रवाल मथुरा आरोग्यम के लिए सविता मेहरोत्रा जी बरेली, बेबी वॉर्मर्स के लिएराज मेहरोत्रा को दिए गए।

रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3110 ने इस वर्ष कुल 23 महत्वपूर्ण ग्रांट परियोजनाएं सफलतापूर्वक पूरी कीं। इनमें शिक्षा, स्वास्थ्य और तकनीकी क्षेत्र में किए गए कार्य विशेष रूप से सराहनीय रहे। डिस्ट्रिक्ट द्वारा 17 विद्यालयों में कंप्यूटर लैब स्थापित की गईं, जो गंजडुंडवारा, कासगंज, मथुरा तथा उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में स्थित हैं। साथ ही 6 विद्यालयों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स लैब्स की स्थापना की गई, जो भविष्य की तकनीक से छात्रों को जोड़ने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। इसके अतिरिक्त तीन स्कूलों का संपूर्ण कायाकल्प हैप्पी स्कूल परियोजना के अंतर्गत किया गया, जिससे विद्यार्थियों को स्वच्छ, सुरक्षित और तकनीक से युक्त शिक्षा वातावरण प्राप्त हुआ।स्वास्थ्य क्षेत्र में रोटरी 3110 का योगदान अत्यंत उल्लेखनीय रहा। आरोग्यम प्रोजेक्ट के अंतर्गत पूरे डिस्ट्रिक्ट में 70,000 से अधिक छात्रों का स्वास्थ्य परीक्षण पाँच विभिन्न मानकों पर किया गया। यह पूरा अभियान लगभग सात करोड़ रुपये के मूल्य का कार्य रहा, किंतु चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क सेवाएं देने के कारण इसे न्यूनतम खर्च में सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। इसके अतिरिक्त 110 बेबी वॉर्मर्स को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और चौरिटेबल अस्पतालों में वितरित किया गया। साथ ही, कानपुर और आगरा में ब्लड डोनेशन वैन, हार्ट चेकअप वैन और नेत्र परीक्षण वैन की सुविधा शुरू की गई। अलीगढ़ स्थित गांधी आई हॉस्पिटल और फिरोजाबाद के अस्पताल को नेत्र चिकित्सा उपकरण प्रदान किए गए, जिससे क्षेत्रीय स्वास्थ्य सेवाओं को बल मिला।

वित्तीय सहयोग के क्षेत्र में भी डिस्ट्रिक्ट 3110 ने वैश्विक स्तर पर अपनी छाप छोड़ी। रोटरी फाउंडेशन को इस वर्ष लगभग 6.5 लाख अमेरिकी डॉलर (करीब 5.5 करोड़ रुपये) का योगदान दिया गया, जो अंतरराष्ट्रीय रोटरी नेटवर्क में एक प्रेरणादायक उदाहरण बन गया है।रोटरी ने इस वर्ष कला और खेल के क्षेत्र में भी विशेष पहचान बनाई। जिला स्तरीय खेल एवं संगीत प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिसमें टेनिस प्रतियोगिता को ।प्ज्थ् मान्यता के साथ करवाया गया। वहीं, संगीत प्रतियोगिता के सेमीफाइनलिस्ट्स को मुंबई भेजकर उन्हें प्रोफेशनल गायन प्रशिक्षण दिलाया गया, जिससे युवा प्रतिभाओं को मंच और मार्गदर्शन दोनों प्राप्त हुआ।

समारोह के दौरान डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ने कहा कि रोटरी का कार्य केवल सेवा करना नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना भी है। उन्होंने सभी क्लबों और कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान सिर्फ पुरस्कार नहीं, बल्कि आने वाले समय के लिए और अधिक जिम्मेदारी का प्रतीक है।

कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट के वरिष्ठ पदाधिकारियों, क्लब अध्यक्षों, असिस्टेंट गवर्नर्स और विभिन्न शहरों से आए रोटेरियन्स की उपस्थिति रही। आयोजन का समापन आगामी रोटरी वर्ष के लक्ष्यों और योजनाओं की झलक के साथ हुआ।

चांदपुर मखियाली फैक्ट्री पर चल रहे किसानों के धरने पर पहुंचे राकेश

मुजफ्फरनगर। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता चांदपुर मखियाली में किसानों द्वारा मैडिकल वेस्टेज फैक्ट्री के विरोध में चल रहे धरने पर पहुंचे और किसानों का समर्थन करते हुए कहा कि जब से वो इस धरने पर आये हैं तब से इन फैक्ट्रियों का धुंआ रुकने का नाम नहीं ले रहा चौधरी राकेश टिकैत ने कहा कि केवल एक फैक्ट्री का विरोध करने से काम नहीं चलेगा इस क्षेत्र में प्रदुषण फैला रही सभी फैक्ट्रियों की जांच करने की अत्यंत आवश्यकता है उन्होंने कहा कि एक बार ये आवाज उठाई गयी थी तो प्रदूषण विभाग के अधिकारियों को खेत के आर पार जाने पर ही कपड़ों का रंग काला हो गया था तो मेडिकल वेस्टेज फैक्ट्री पर तो 13 जिलों का चिकित्सीय कचरा जिसमें पट्टी रुई दवाइयां और शारीरिक अपशिष्ट अवशेष आदि इकट्ठा होकर आएगी जिसके कारण इस गांव में और आसपास के क्षेत्र में बीमारियां फैलेंगे और यहां का पानी भी प्रदूषित होगा इसीलिए इस तरह की फैक्ट्री और कारखानों को लगाने की अनुमति प्रशासन को बिल्कुल भी नहीं देनी चाहिए उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र का किसान आंदोलन करें भारतीय किसान यूनियन और उसके सभी कर्मठ किसानों के साथ है इस अवसर पर उनके साथ भारतीय किसान यूनियन जिला अध्यक्ष चौधरी नवीन राठी प्रदेश महासचिव चौधरी धीरज लटियाल प्रदेश सचिव चौधरी श्याम पाल अध्यक्ष मुरादाबाद मंडल प्रभारी अशोक घटायन चौधरी शक्ति सिंह जिला मीडिया प्रभारी सुमित चौधरी जिला महासचिव तहसील अध्यक्ष सदर देव अहलावत ब्लॉक अध्यक्ष सदर गुलशन चौधरी महानगर अध्यक्ष गुलबहार राव ब्लॉक उपाध्यक्ष सदर हैप्पी बालियांन परमजीत चौधरी नवीन चौधरी परविंदर चौधरी संजय चौधरी संजय त्यागी अनुज राठी बॉबी राठी आयुष चौधरी अबरार अहमद आदि के साथ–साथ सैकड़ो कार्यकर्ता में पदाधिकारी और किसान उपस्थित रहे।

भारत विकास परिषद् ने साइबर क्राइम पर किया छात्र–छात्राओं को जागरूक

मुजफ्फरनगर। 'सनातन धर्म इंटर कॉलेज निकट रोडवेज मुजफ्फरनगर' के 'चितरंजन स्वरूप सभागार' में 'भारत विकास परिषद मुजफ्फरनगर शाखा मेन' द्वारा 'संस्कृति सप्ताह' मनाए जाने के क्रम में पहला कार्यक्रम 'साइबर क्राइम जागरूकता' विषय पर छात्र–छात्राओं को जागरूक किया गया शाखा अध्यक्ष संजय मिश्रा ने कहा कि आजकल साइबर काईम के खिलाफ जागरूकता ही सुरक्षा है अतः सभी ईस विषय में जागरुक रहे व साइबर काईम सैल काफी अच्छा कार्य कर रहे हैं और लोगों को होने वाले नुकसानों से भी बचा रहे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य सोहन पाल द्वारा की गई मुख्य अतिथि सुनील गर्ग, कीमती लाल जैन, अतिन संगल एवं राजेंद्र सिंघल रहे।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एस आई गौरव चौहान, एस आई दीपक कुमार, योगेश वाधवा व मीनाक्षी थे एस आई गौरव चौहान ने छात्र छात्राओं को 'साइबर क्राइम क्या है और उससे कैसे बचा जा सकता है' पर विस्तार से समझाया 'फ्रॉड होने पर उन्होंने सहायता नंबर 1930 तथा संबंधित वेबसाइट www-cybercrime-gov-in पर अपनी शिकायत दर्ज कराने की जानकारी दी साथ ही मोबाइल पर सोशल मीडिया से बचने की सलाह दी'

'उन्हें छात्र–छात्राओं को एम आधार ऐप द्वारा अपने बायोमेट्रिक को लॉक/अनलॉक करने के बारे में समझाया कि आप आवश्यक होने पर उसे अनलॉक कर सकते हैं और फिर उसे लॉक कर सकते हैं ताकि कोई भी व्यक्ति उनके आधार का दुरुपयोग नहीं कर सके'

कार्यक्रम में 'भारत विकास परिषद मुजफ्फरनगर शाखा मेन' के संरक्षक हर्षवर्धन जैन शाखा अध्यक्ष संजय मिश्रा, के पी राठी, सुखबीर सिंह, मनोज शर्मा, डॉ रितु रानी, डॉ दीपक कुमार गर्ग उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन डॉ रश्मि विनायक ने किया कार्यक्रम का आयोजन मनीष गर्ग द्वारा किया गया विद्यालय परिवार की ओर से वरिष्ठ शिक्षक अनिल मित्तल, तेजपाल उपाध्याय, अनुज पंवार अमित शर्मा कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

भोकरहेड़ी मे सड़कों पर बह रहा विकास, निकलना हुआ दूभर

मोरना। शासन प्रशासन के बड़े बड़े दावों के बावजूद विकास मे लगातार पिछड़ रही नगर पंचायत भोकरहेड़ी मे जलनिकासी की उचित व्यवस्था न होने से सडके तालाब का रूप धारण किये हुए हैं।टूटे हुए मार्गो पर फैले कीचड़ व गंदे जल के भराव के कारण नागरिकों का निकलना दूभर हो गया है।स्कूल कॉलिज जाने वाले छात्र– छात्राओं को गंदे पानी से होकर गुज़रना पड़ रहा है। जिला मुख्यालय से 28 कि.मी.दूर ग्रामीण अंचल की नगर पंचायत भोकरहेड़ी विकास मे लगातार पिछड़ रही है।शासन प्रशासन की अनदेखी के कारण नगर पंचायत एक पिछड़े गांव की ओर बढ़ रही है।जल भराव नगर की प्रमुख समस्या बनी हुई है। जिस कारण मुख्य मार्ग गंदे पानी से लबालब हैं। जल भराव के कारण सडके लगातार टूट रही हैं। कस्बे के मोहल्ला नेहरू चौक व नई बस्ती, कुँवापट्टी, पठानान, कलालान आदि बस्तियों मे जल भराव से नागरिक बेहाल हैं। नागरिकों के अनुसार पिछले कई वर्षो से सड़कों पर जल भराव हो रहा है। बारिश के मौसम मे गंदे पानी से फैली दुरगंध संक्रमण फैला रही है। जल भराव से मच्छरों का प्रकोप जारी है। जिससे बुखार, एलर्जी जैसे रोग फैल रहे हैं। ग्रामीण राहुल सहरावत, सुमित,हनी,आकाश,मुकुल ने बताया की सड़कों पर गंदे पानी के फेलने से सडके टूट गयी हैं जिनमे लगातार गहरे गड्ढे हो रहे हैं। मोहल्ला नेहरु सुभाष चौक मे महल वाने चौक के पास जल भराव से नागरिक हलकान हैं। तो वहीं नई बस्ती कुँवापट्टी मोहल्ला मार्ग पर हो रहे जल भराव व वहां फैले कीचड के कारण बुजुर्ग व बच्चे फिसल कर गिर रहे हैं। साथ ही स्कूल कॉलिज जाने वाले छात्र छात्राओं को गंदे पानी से होकर गुज़रना पड़ता है। कीचड़ से उनके कपड़े खराब हो जाते हैं जिससे छात्राओं को असहज होना पड़ रहा है। नागरिकों ने प्रदेश के मुख्यमन्त्री से जल भराव की समस्या से निजात दिलाने की गुहार लगाई है।

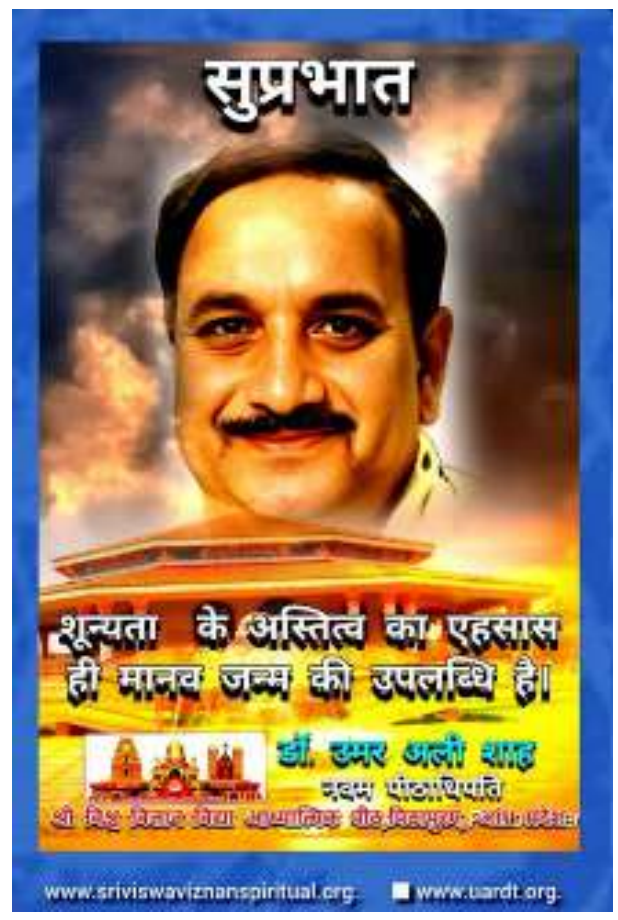

आम्रपाली आम

(कुण्डलिया)

नीलम माँ का नाम है, और दशहरी बाप।
आम आम्रपाली वही, आज खा रहे आप।
आज खा रहे आप, कहानी बहुत पुरानी।
इकहत्तर का जन्म, बताती मेरी नानी।
खाकर कहें प्रदीप, स्वाद में इसके है दम।
गुण की कीमत जान,रत्न में जैसे नीलम।।

बिहार की नृत्यांगना,जिसका प्यारा नाम।
कहें आम्रपाली उसे, गणिका हो या आम।
गणिका हो या आम, रंग उसका का पीला।
मीठा –मीठा स्वाद, ताज़गीदार रसीला।
सुन लो कहें प्रदीप,बात है उस दयार की।
दिल्ली में ले जन्म, बताती है बिहार की।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

यारी दोस्ती क्लब ने वृक्षारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

मथुरा। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आज "यारी दोस्ती फ्रेंड्स क्लब" के सदस्यों एवं उनके परिवारों द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन टैकमैन सिटी, मथुरा स्थित हर्ष विलास पार्क में किया गया। इस अवसर पर लगभग तीन दर्जन पौधे रोपे गए, जिनमें गुलमोहर, नीम, चंपा, जामुन, अशोक, अमरूद सहित कई छायादार व फलदार वृक्ष शामिल थे।कार्यक्रम की खास बात यह रही कि सभी प्रतिभागियों ने पौधों के रखरखाव की भी जिम्मेदारी ली। बच्चों, महिलाओं और क्लब सदस्यों ने मिलकर प्रकृति के संरक्षण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम संयोजक नाग रक्षायन आर्या ने बताया कि यह आयोजन पर्यावरण के बिगड़ते संतुलन को सुधारने की दिशा में एक छोटी मगर महत्वपूर्ण पहल है। इस मौके पर डॉ. शिवदत्त शर्मा ने कहा एक जागरूक नागरिक के रूप में हमें सरकार की हर पर्यावरणीय पहल में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। पौधारोपण केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि एक निरंतर जिम्मेदारी है।क्लब सदस्य अमित गोयल ने जानकारी दी किष्यह यारी दोस्ती क्लब का पहला वृक्षारोपण कार्यक्रम है, लेकिन आने वाले वर्षों में इसे और व्यापक स्तर पर किया जाएगा और अधिक लोगों को इससे जोड़ा जाएगा।इस पुनीत कार्य में गौरव यादव, मनीष सारस्वत, डॉ. अखिलेश अग्रवाल, अंकुर कुलश्रेष्ठ, यामा, ज्योति गोयल, रागिनी यादव, दीप्ति कुलश्रेष्ठ, रेनू अग्रवाल, रीना सारस्वत, डॉ. पूजा शर्मा, हृदय कुलश्रेष्ठ, रक्षा, दीक्षा, ईशान, अभिनय, निश्चल, अनमोल, सेजल, आराध्या, अनन्या एवं यशी सहित अनेक सदस्य एवं परिवारजन उपस्थित रहे।

सास ने दामाद से जताया बेटी की जान को खतरा

भोपा। गांव किशनपुर की महिला ने दामाद व सुसराल पक्ष के लोगों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए अपनी बेटी की जान खतरा बताया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर कार्रवाई शुरू कर दी। भोपा थाना क्षेत्र के गांव किशनपुर निवासी महिला रूखसाना ने दी तहरीर में बताया कि उसका मायका झारखंड में है। उसके मायके के लोगों ने कुछ महीनों पहले उसकी नाबालिग बेटी की शादी उसकी मर्जी के खिलाफ झारखंड प्रदेश के गिरिडीह जनपद के गांव देवटन में कर दी थी। आरोप है कि दामाद अक्सर उसकी बेटी के साथ मारपीट करता रहता है । रविवार की देर रात दामाद व उसके परिजनों ने फोन कर शर्मनाक गालियां देते हुए दहेज में तीन तलाक रूपए व घरेलू सामान की मांग पूरी नहीं होने पर बेटी को जान से मारने या तीन तलाक व हलाला करने की धमकी दी है। पीड़िता ने ससुराल पक्ष से अपनी नाबालिग बेटी की जान का खतरा बताते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। प्रभारी निरीक्षक ओमप्रकाश सिंह ने बताया कि पुलिस ने तहरीर के आधार पर कार्रवाई शुरू कर दी है।

सम्पादकीय.....

पाक की अध्यक्षता का मतलब

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की पाकिस्तान को अध्यक्षता मिलना जहां कोई आश्चर्यजनक बात नहीं है, क्योंकि यह अस्थाई होती है और इसकी मीयाद सिर्फ एक महीने ही होती है, भारत में कई लोगों को इससे निराशा हुई है। वैसे तो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता मोटे तौर पर प्रतीकात्मक ही होती है और इसका कोई खास असर नहीं होता है। पाकिस्तान के यूएनएसी के अध्यक्ष बनने से भारत को तकनीकी रूप से किसी तरह की चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि अध्यक्ष देश कोई फैसला अकेले नहीं ले सकता।मगर हां, राजनीतिक और कूटनीतिक रूप से वो कई गड़बड़ियां कर सकता है। जिसका उदाहरण सामने आ भी चुका है क्योंकि यूएनएससी में पाकिस्तान के राजदूत असीम इफ्तिखार अहमद ने कश्मीर मामले पर चर्चा भी शुरू कर दी, जबकि सबको पता है कि ये भारत और पाकिस्तान के बीच का मसला है। पाकिस्तान के पास एजेंडा कंट्रोल करने की पावर है। वो तय कर सकता है कि किस मुद्दे पर ज्यादा चर्चा हो और किस पर नहीं। ऐसे में भारत को उसकी एक माह की अध्यक्षता पर नजर रखनी होगी। वैश्विक राजनीति में जहां कूटनीतिक स्तर पर भारत अलग–थलग पड़ता नजर आ रहा है, वहीं इस मोर्चे पर पाकिस्तान की अहमियत बढ़ती नजर आ रही है। ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद भारतीय प्रतिनिधियों के कूटनीतिक विश्व भ्रमण के दौरान तमाम देशों को यह समझाने के बावजूद कि पाकिस्तान आतंक का केंद्र और आतंकवादियों की शरणस्थली बना हुआ है, पाकिस्तान के चीन, रूस और अमेरिका के साथ रिश्तों में हाल के महीनों के दौरान नाटकीय गर्मजोशी देखने को मिल रही है। अगर वोटिंग की बॉत करे तो वोटिंग में भी भारत के प्रति अन्य देशों का रूझान ठीक नही रहा। बहरहाल ये भी हो सकता है कि अध्यक्ष बनने के बाद पाकिस्तान चाहे तो खुद को पीड़ित बता सकता है। इसके साथ ही वह सिंधु जल संधि पर भी अपना दुखड़ा रो सकता है कि भारत ने पानी बंद कर दिया है और जैसा कि ये दुनिया का बड़ा मंच है और उसे मौका मिला है तो वो अपना दुखड़ा पूरी दुनिया को पूरी ताकत से सुना सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि वो ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भी उल्टे सीधे बयान दे लेकिन इससे भारत को कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। आतंकियों का पनाहगार और दुनिया के हर मंच पर कश्मीर का राग अलापने वाला पाकिस्तान एक जुलाई से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष बनाया गया है और एक महीने तक अध्यक्ष के तौर पर काम करेगा। पाकिस्तान इसी साल जनवरी में दो साल के लिए अस्थायी सदस्य चुना गया था, जिसे वोटिंग के दौरान 193 में से 182 वोट मिले थे। अब नए नवेले सदस्य बने पाकिस्तान को एक जुलाई से 31 जुलाई तक अध्यक्ष पद की भूमिका निभानी है और अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठने के बाद उसके पास कई पॉवर्स होंगे। जैसे पाकिस्तान सुरक्षा परिषद की सभी औपचारिक और अनौपचारिक बैठकों की अध्यक्षता करेगा। परिषद के एजेंडे को तय करने और प्राथमिकताओं को तय करने में खास भूमिका निभाएगा। अध्यक्ष परिषद की ओर से प्रेस स्टेटमेंट और सार्वजनिक घोषणाएं जारी करेगा और परिषद के सदस्यों के बीच संवाद और समन्वय तय करेगा, जिससे परिषद की कार्यवाही सुचारू रूप से चले। इसके साथ ही अगर अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को तत्काल खतरा हो, तो अध्यक्ष देश आपातकालीन बैठक बुला सकता है। इसके साथ ही अध्यक्ष देश को परिषद की बैठकों की कार्यवाही को कंट्रोल करने, वक्ताओं को बुलाने और चर्चा को दिशा देने की शक्ति होती है। हालांकि संभावना तो नहीं है, लेकिन इस एक महीने की अध्यक्षता के दौरान पाकिस्तान कुछ खुराफात कर सकता है। भारत में इस बात को लेकर चिंता है, जो सही भी है कि पाकिस्तान इस मौके का फायदा कश्मीर मुद्दे का अंतरराष्ट्रीयकरण करने के लिए न कर ले और वैश्विक दक्षिण के नेता के रूप में भारत की स्थिति को कोई नुकसान न हो। ध्यान रहे कि ईरान, तुर्की और इस्लामिक देशों के संगठन–ओआईसी जैसे मध्यपूर्व के देशों के साथ भारत के रिश्ते कोई खास अच्छे नहीं हैं और आने वाले दिनों में इनमें कुछ और तनाव जैसी स्थितियां बन सकती हैं। वैसे भी जिसपर आतंकियों को पालने–पोसने और अलग–अलग देशों में अस्थिरता फैलाने की कोशिश जैसे गंभीर आरोप लगते हैं, बावजूद इसके वह इतना जिम्मेदार पद कैसे पा गया ? पहलगाम में हमला हुआ। बाकी देशों ने पाकिस्तान का साथ दिया। लेकिन भारत का साथ किस देश ने दिया ? हमारे पड़ोसी देश भी साथ देने नहीं आए। यूपीए सरकार के समय पड़ोसी देशों से अच्छे संबंध थे। श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल से अच्छे संबंध थे। तब वे सहयोग करते थे। लेकिन पहलगाम हमले के समय कोई समर्थन करने नहीं आया। इन प्रश्नों और अपनी विदेश नीति पर मोदी सरकार को विचार अवश्य करना चाहिए।

यादों की उड़ान में सिमटती एक विलुप्त होती प्रजाति

के.पी. सिंह

सोन चिरैया लगभग एक मीटर ऊंची होती है, इनमें नर का वजन आमतौर पर 11 से 15 किलो होता है, जबकि मादा 4 से 7 किलो की ही होती है। इसका जीवनकाल 15 से 20 साल का होता है।

वह हमारे गीतों में आती है, किस्सों में आती है, अलंकारों में आती है और प्राचीन भारत के समृद्ध पारिस्थितिकीय इतिहास में आती है। मगर वर्तमान में वह धीरे–धीरे लुप्त होकर अब सिर्फ हमारी यादों और किताबों तक सिमट जायेगी। जी हां, हम सोन चिरैया या सोन चिरिया अथवा ग्रेट इंडियन बस्टर्ड की ही बात कर रहे हैं, जिसका वैज्ञानिक नाम अर्देवोटिस निग्रिसेप्स है और आईयूसीएन ने इसे अत्यंत संकटग्रस्त प्रजाति के खाने में डाल रखा है। इसे हिंदी में सोन चिरैया, मराठी में माळढोक और राजस्थानी में गोडावण कहते हैं। सोन चिरैया लगभग एक मीटर ऊंची होती है, इनमें नर का वजन आमतौर पर 11 से 15 किलो होता है, जबकि मादा 4 से 7 किलो की ही होती है। इसका जीवनकाल 15 से 20 साल का होता है। अगर ये जंगल में हों तब। इसके लुप्त होते जाने की पारिस्थितिकीय समस्या तो है ही, एक समस्या यह भी है कि यह साल में केवल एक अंडा देती है और उसे भी जमीन पर देती है, जिसे आमतौर पर कुत्तों द्वारा नष्ट कर दिया जाता है। इसलिए भारत की यह खास चिड़िया जो अनेक किस्सों और रहस्यों को अपने साथ समेटे है, धीरे–धीरे लुप्त होने की कगार पर है, जबकि इसके संरक्षण के लिए प्रयास हो रहे हैं। महाराष्ट्र में तो ननाज माळढोक अभ्यारण्य ही है, जो सिर्फ सोन चिरैया के लिए ही समर्पित है, मगर हैरानी की बात यह है कि इस साल के शुरू में ननाज अभ्यारण्य में किये गये सर्वे में कोई भी सोन चिड़िया नहीं मिली। जबकि 1979 में स्थापित किया गया यह सोन चिरैया के लिए विशेष अभ्यारण्य महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में स्थित है और इसका क्षेत्रफल 8496 वर्ग किलोमीटर है। यह सोलापुर के ननाज, मांडा, मोहल, कर्नाला और अहमदनगर जिला के कर्जत, श्रीगोंदा और नवाड़ा इलाकों में फैला है। यह इकोरिज्म डेक्कन थॉर्न स्क्रब फॉरेस्ट में आता है, जहां उष्णकटिबंधीय जलवायु और थोड़ी बहुत घास, झाड़ी और विरले पेड़ पाए जाते हैं। वैसे साल 2018 में इनकी अनुमानित संख्या 150 थी। राजस्थान और महाराष्ट्र के अलावा सोन चिरैया गुजरात के कच्छ क्षेत्र में और कर्नाटक व आंध्र प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में भी पायी जाती है। इसके सिर के ऊपरी भाग में एक काली टोपी, ब्लैक कैप होती है। गर्दन स्पष्ट रूप से भूरे रंग की होती है और नर सोन चिरैया में प्रजनन काल के दौरान गले पर पाउच देखा जाता है। इसके बदौलत वह गहरे स्वर के बुलंद नाटीय आवाज निकालते हैं, जो आधा किलोमीटर तक सुनाई देती है। सोन चिरैया सुबह और शाम सक्रिय रहती है। दिन के समय यह सुस्ती में होती है। मानसून के दौरान यह प्रजनन करती है, तब नर मादा को बुलाने के लिए अपने पाउज से आवाज निकालता है। सोन चिरैया अपना घोसला जमीन पर बनाती है और आमतौर एक या कभी–कभी दो अंडे देती है। एक महीने में इसके निष्क्रिय बच्चे उड़ान भरने के काबिल हो जाते हैं। नर सोन चिरैया बच्चों की देखभाल में जरा भी रुचि नहीं लेते। मादा ही बच्चों को पालती है। सोन चिरैया के इस तरह लुप्त होने के कगार पर पहुंचने का कारण इनकी कमजोर दृष्टि है, जिस कारण ये बिजली के तारों से फंसकर मारे जाते हैं। अकेले थार मरुस्थल के क्षेत्र में ही 18 से 20 सोन चिरैया हर साल मरी पायी जाती हैं, जो कि इनकी कुल आबादी का 15 से 18 फीसदी होती हैं। क्योंकि इनका आवास घास के मैदानों और खेती के बीच होता था, लेकिन अब घास के मैदान खत्म हो रहे हैं और खेती वाली जगहों पर सड़कें, बिजली के तार और रिन्यूएबल एनर्जी योजना के ढांचे खड़े हो जाने के कारण इनके आवास की समस्या पैदा हो गई है। कुत्ते, लोमड़ियां और शिकारी इनके अंडों की तलाश में रहते हैं। जिस कारण इसके संरक्षण की कई तरह की कोशिशें की गई हैं। मसलन शेड्यूल फर्स्ट के तहत इनके शिकार पर पूर्णतः प्रतिबंध लगा दिया गया है और जैसलमेर के सुधासरी और रामदेवरा में इन्हें कैद करके प्रजनन करवाया जाता है। वर्ष 2025 तक ऐसे 20 बच्चे जन्म ले चुके थे, जिस कारण इनके संरक्षण की टिमटिमाती आस देखी जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल बस्टर्ड रिकवरी प्लान 2013 को ध्यान में रखते हुए, इनके इलाकों में बिजली के तारों को जमीन के अंदर से ले जाने के आदेश दिए हैं। साथ ही इनके संरक्षण के लिए साल 2024–25 में 56 करोड़ रुपये भी मंजूर किये गये थे। जबकि इसके पहले यह राशि 33 करोड़ रुपये थी। राजस्थान और गुजरात के संरक्षित इलाकों में सोन चिरैया को बचाये जाने की उम्मीद की जाती है। रामदेवरा में पिछले साल 3 बच्चे जन्मे थे और अलग अलग संरक्षण केंद्रों में भी 3 से 4 बच्चे जन्में थे। कुल मिलाकर सोन चिरैया भारत की एक प्रमुख फ्लैगशिप ग्रास लैंड प्रजाति की चिड़िया है और इसका बचाव न केवल पर्यावरण संतुलन बनाये रखने में मदद करता है बल्कि झाड़ीदार व घास के मैदानों का संरक्षण भी सुनिश्चित करता है। यही कारण है कि संरक्षण की चुनौतियों के बावजूद सरकार, एनजीओ, वैज्ञानिक और स्थानीय समुदाय इनके संरक्षण में लगे हुए हैं। साल 1979 में सोलापुर में जवाहरलाल नेहरू बस्टर्ड सेंचुरी की शुरुआत की गई थी, जिसके लिए 15240 पेड़ काटे गये थे तथा इसके अनुकूल वातावरण बनाया गया था। साल 2008–09 में ननाज अभ्यारण्य में 21 से 22 माळढोक पहुंची। लेकिन मई, 2025 में यहां कोई भी सोन चिरैया या माळढोक नहीं मिली, जो बहुत बड़ी चिंता का विषय था।

तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा: उत्तराधिकारी के यक्ष प्रश्न

संदीप जोशी

आध्यात्मिक नेता और तिब्बती स्वायत्तता के शांतिपूर्ण संघर्ष के अग्रणी नेतृत्वकर्ता दलाई लामा तेनजिन ग्यात्सो जीवन के दसवें दशक में प्रवेश कर गये। ऐसे में उनके उत्तराधिकारी का सवाल उठना स्वाभाविक है। परंपरानुसार, दलाई लामा के पुनर्जन्म की खोज तत्कालीन दलाई लामा की मृत्यु के बाद शुरू होती है। लेकिन दलाई लामा ने संकेत दिये कि उनके उत्तराधिकारी के पुनर्जन्म की खोज उनके बाद शुरू होगी और संभव है वह बच्चा तिब्बत के बाहर पैदा हो। उधर, चीनी मंसूबे पुरातन पुनर्जन्म प्रक्रिया के जरिये दलाई लामा बनवाकर तिब्बत का भविष्य नियंत्रित करने के हैं। यह कोई पहली बार दलाई लामा ने नहीं कहा, कि उनका उत्तराधिकारी तय करने का अधिकार चीन को नहीं है। साल 1969 में ही परम पावन यानी दलाई लामा ने स्पष्ट कर दिया था, कि मेरे बाद के दलाई लामा के पुनर्जन्म को मान्यता दी जाए या नहीं, यह तिब्बती मूल के लोगों, मंगोलों, और हिमालयी क्षेत्रों के बौद्ध अनुयायियों को तय करना है। वहीं 24 सितंबर 2011 को अगले दलाई लामा की मान्यता के लिए स्पष्ट दिशा–निर्देश प्रकाशित किए गए, जिससे संदेह या धोखे की कोई गुंजाइश नहीं बची थी। उस दिशा–निर्देश में परम पावन ने घोषणा की थी, कि जब वे लगभग नब्बे वर्ष के हो जाएंगे, तो वे तिब्बत की बौद्ध परंपराओं के प्रमुख लामाओं, तिब्बती जनता, और तिब्बती बौद्ध धर्म में रुचि रखने वाले अन्य संबंधित लोगों से परामर्श करेंगे, और यह आकलन करेंगे, कि उनके बाद दलाई लामा जैसी संस्था जारी रहनी चाहिए, या नहीं। 24 सितंबर 2011 वाले वक्तव्य में दलाई लामा के उत्तराधिकारी की मान्यता के विभिन्न तरीकों की भी खोज की गई है। यदि यह निर्णय लिया जाता है, कि पंद्रहवें दलाई लामा को मान्यता दी जानी चाहिए, तो ऐसा करने की जिम्मेदारी मुख्य रूप से दलाई लामा के 'गादेन फोडरंग फाउंडेशन' के संबंधित अधिकारियों पर होगी, जिसकी स्थापना उन्होंने स्विटजरलैंड के ज़्यूरिख में की थी। परम पावन ने कहा था, कि मैं इस बारे में स्पष्ट लिखित निर्देश छोड़ूंगा। उन्होंने चेताया था, कि 'वैध तरीकों से मान्यता प्राप्त पुनर्जन्म' के अलावा, किसी भी व्यक्ति द्वारा राजनीतिक उद्देश्यों के लिए चुने गए उम्मीदवार को कोई मान्यता या स्वीकृति नहीं दी जानी चाहिए, जिसमें पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के एजेंट भी शामिल हैं। यह मुद्दा आध्यात्मिक महत्व से परे हैय जो एक जटिल भू–राजनीतिक संघर्ष का रूप धारण कर गया है। चीन सदियों पुरानी पुनर्जन्म प्रक्रिया, और तिब्बत के भविष्य को नियंत्रित करने के लिए जी–जान लगाए हुए है। इसे काउंटर करने के वास्ते सीआईए की प्रच्छन्न भूमिका पर पूरी खामोशी है। परंपरागत रूप से, दलाई लामा के पुनर्जन्म की खोज तत्कालीन दलाई लामा की मृत्यु के बाद ही शुरू होती है। वरिष्ठ भिक्षु संकेतों की व्याख्या करते हैं, दैवज्ञों से सलाह लेते हैं, और तिब्बती क्षेत्र में ऐसे बच्चे की तलाश करते हैं, जो पिछले दलाई लामा के गुणों को प्रदर्शित करता हो। इस प्रक्रिया में कई साल लग सकते हैं, जिससे अक्सर आध्यात्मिक और नेतृत्व शून्यता बनी रहती है। लेकिन इस बार, दलाई लामा, तेनजिन ग्यात्सो, नई पटकथा लिख रहे हैं, यह संकेत देते हुए, कि वे अपने उत्तराधिकारी का नाम अभी जीवित रहते हुए भी रख सकते हैं। और हो सकता है, कि बच्चा तिब्बत के बाहर पैदा हो। उन्होंने वचन दिया कि उनका उत्तराधिकारी चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) के नियंत्रण में पैदा नहीं होगा। गत 11 मार्च 2025 को प्रकाशित पुस्तक, 'वॉयस ऑफ द वॉयसलेस' में दलाई लामा ने लिखा है, 'चूंकि पुनर्जन्म का उद्देश्य पूर्ववर्ती के कार्य को आगे बढ़ाना है, इसलिए नए दलाई लामा का जन्म मुक्त दुनिया में होगा।' चीन इस बात से भड़का हुआ है। 17 दिसंबर 1933 को 13 वें दलाई लामा थुबतेन ग्यात्सो की मृत्यु हुई थी। 14वें दलाई लामा की खोज 13वें दलाई लामा की मृत्यु के चार साल बाद 1937 में शुरू हुई थी। 14वें दलाई लामा का राज्याभिषेक समारोह 22 फरवरी 1940 को ल्हासा में हुआ, तब दलाई लामा केवल पांच साल के थे। यह दीगर है, कि 15 साल की उम्र तक, दलाई लामा ने पूर्ण आध्यात्मिक और लौकिक अधिकार ग्रहण कर लिया था। दलाई लामा ने 23 मई 1951 को पेइचिंग जाकर एक 17 सूत्री समझौते पर हस्ताक्षर किया था, तब वो मात्र 16 वर्ष के थे। यह दबाव में किया समर्पण वाला समझौता था, जिसकी बिना पर तिब्बत को चीनी एकाधिकार में आ जाना था। उन दिनों दलाई लामा स्वयं ताइवान में कम्युनिस्ट विरोधी चीनी सरकार के साथ गठबंधन करने में झिझक रहे थे, दलाई लामा के दूसरे बड़े भाई ग्यालो थोंडुप का सीआईए के साथ–साथ कुओमिन्तांग और उसके नेता चियांग काई–शेक जैसी कम्युनिस्ट विरोधी सरकारों के साथ संपर्क का एक लंबा इतिहास था। थोंडुप ने अपने शुरुआती साल चीन के जियांगसु राज्य की राजधानी नानजिंग में बिताए। नोरबू ने भागने का फैसला किया, और 1950 में तिब्बत छोड़ दिया। वह चर्च वर्ल्ड सर्विस और सीआईए की मदद से अमेरिका गए। साल 1959 की सीआईए के बुलेटिन में बताया गया है कि थोंडुप ने कुओमिन्तांग प्रतिनिधियों से 'एक समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए मुलाकात की, जो तिब्बती 'स्वतंत्रता' और एक स्वतंत्र तिब्बत सरकार की अंततः राष्ट्रवादी मान्यता का आधार हो सकता है।' तिब्बत–चीन मामलों के इतिहासकार विलियम एम. लेरी के अनुसार, 'ताइवान की अनिच्छा के बावजूद, सीआईए के ' फ्रंट कॉरपोरेशन, 'सिविल एयर ट्रांसपोर्ट' संक्षेप में 'कैट', जिसका केएमटी से घनिष्ठ संबंध था, ने नवंबर 1959 और मई 1960 के बीच, मुख्यभूमि चीन के ऊपर से 200 से अधिक उड़ानें भरीं और तिब्बत में 400 टन माल पहुंचाया। सीआईए ने हाल के दिनों में जिन दस्तावेजों को 'डीक्लासिफाइड' किया, उन्हें पढ़ने पर लगता है कि अमेरिकी खुफिया एजेंसी ने भू–सामरिक स्थिति को देखते हुए अपने पूरे ऑपरेशन को भारत–नेपाल की तरफ शिफ्ट कर दिया था। 1959 में, दलाई लामा 23 साल के युवा थे, तब चीनी शासन के खिलाफ एक असफल विद्रोह के बाद, उन्हें भारत भागना पड़ा, जहां उन्होंने हिमालयी शहर धर्मशाला में निर्वासित तिब्बती सरकार की स्थापना की। दलाई लामा के तिब्बत से महाभिनिष्क्रमण से पांच साल पहले अक्तूबर 1954 में, भारतीय प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की चीन यात्रा के संबंध में सीआईए विश्लेषकों द्वारा एक रिपोर्ट दायर की गई थी। इसने मूल्यांकन किया गया था, कि दोनों देश उभयपक्षीय कूटनीतिक दृष्टिकोण से सहमत हो सकते हैं, या नहीं। सीआईए ने तब अच्छे से बोल दिया था, कि चीन और भारत के सम्बन्ध दलाई लामा को लेकर बिगड़ेंगे। 1959 में, दलाई लामा का जिन विषम परिस्थितियों में तिब्बत से महाभिनिष्क्रमण हुआ, वह आधुनिक इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण घटना थी। गत 17 मार्च, 1959 को दलाई लामा को गिरफ्तार करने की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी थी। उन्हें चीनी जनरल ने ल्हासा में एक समारोह के लिए आमंत्रित किया और पूछा, कि क्या 14वें दलाई लामा चीनी नृत्य मंडली का प्रदर्शन देखना चाहेंगे? लेकिन जब उन्हें चीनी सैन्य मुख्यालय में सैनिकों या सशस्त्र अंगरक्षकों के बिना आने के लिए कहा गया। उनकी आधिकारिक जीवनी के अनुसार, 'परम पावन समझ चुके थे, कि यह चीनियों का लगाया एक फंदा है।' 17 मार्च, 1959 को, दलाई लामा की गिरफ्तारी रोकने के वास्ते उनके हजारों समर्थकों ने समर पैलेस ' नोर्बुलिंका' को घेर लिया था। तिब्बत के आध्यात्मिक और राजनीतिक गुरु दलाई लामा, जो उस समय 23 वर्ष के थे, ने एक सैनिक का वेश धारण किया और महल के बाहर भीड़ के बीच से निकल गए। उनके साथ विश्वस्त सैनिकों का जत्था था, परिवार और कैबिनेट के सदस्य थे।

बिहार की कानून व्यवस्था और 243 सीटों को लेकर चिराग पासवान के बोल– सिर्फ बयान या भविष्य की राजनीति का संकेत ?

संतोष कुमार पाठक

बिहार में राजद नेता तेजस्वी यादव से लेकर विपक्षी गठबंधन में शामिल तमाम राजनीतिक दल राज्य की कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर नीतीश कुमार की सरकार पर जमकर निशाना साध रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ बिहार की जनता को लालू यादव–राबड़ी देवी के जंगलराज की लगातार याद दिला रहे जेडीयू और भाजपा के नेता सरकार के पक्ष में तर्क दे रहे हैं। लेकिन एनडीए गठबंधन में शामिल और केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में मंत्री चिराग पासवान के बयान ने एनडीए गठबंधन में खासकर जेडीयू नेताओं में खलबली मचा दी है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के मुखिया एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बिहार की राजधानी पटना के पॉश इलाके में एक बड़े कारोबारी गोपाल खेमका की हत्या को लेकर अपनी ही गठबंधन सरकार पर जमकर निशाना साधा है। चिराग पासवान ने बहुत ही तल्ख अंदाज में इस हत्या को चिंताजनक बताते हुए कहा कि यह हत्याकांड इस बात का संकेत है कि बिहार में कानून–व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। चिराग की पार्टी ने उनके बयान के वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर भी किया। चिराग ने नीतीश सरकार पर सीधा–सीधा हमला बोलते हुए कहा, जिस तरह से बिहार में अपराध बढ़ा है और कानून–व्यवस्था जिस तरह से ध्वस्त हुई है, यह चिंता का विषय है। मैं केवल एक व्यापारी की हत्या को लेकर नहीं कह रहा हूं हालांकि यह भी चिंता का विषय है क्योंकि ऐसी जगह पर यह घटना घटी है जो पटना का एक पॉश इलाका है। 100 मीटर की दूरी पर जहां थाना है और अधिकारियों के घर हैं। यदि यहां पर ऐसी घटना घट रही है तो सोचिए गांव–देहात में क्या हो रहा होगा? अगर बिहार में एक भी हत्या होती है तो सरकार और प्रशासन के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। कहां चूक हुई है, इसे हमें सुधारना होगा और कड़ी

से कड़ी कार्रवाई करके हमें एक उदाहरण देना होगा ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं ना घटे।" चिराग पासवान का यह बयान विपक्षी नेताओं के बयानों को और ज्यादा मजबूती देता हुआ नजर आता है कि लालू–राबड़ी के जंगलराज की बात करने वाले नीतीश कुमार बिहार की कानून व्यवस्था को नहीं संभाल पा रहे हैं,अपराधी बेखौफ हो चुके हैं और सुशासन पूरी तरह से ध्वस्त हो चुका है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल तो यही खड़ा हो रहा है कि आखिर केंद्र सरकार में मंत्री चिराग पासवान के बयान के मायने क्या है ? वह चाहते क्या हैं ? यह कोई पहला मौका नहीं है जब चिराग पासवान ने अपने बयान से बिहार की नीतीश सरकार के लिए असहज स्थिति पैदा की हो। इससे पहले भी वो लगातार कई मौकों पर बिहार की कानून व्यवस्था को ध्वस्त बता चुके हैं। बिहार में इसी वर्ष अक्टूबर–नवंबर में होने वाले संभावित विधानसभा चुनाव को लेकर भी चिराग पासवान ने एनडीए गठबंधन के सामने दुविधा की स्थिति पैदा कर रखी है। एक तरफ वह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आधिकारिक आवास पर सीट बंटवारे को लेकर हुई बैठक में शामिल होते हैं, लगातार एनडीए गठबंधन को चुनाव में विजयी बनाने की बात करते हैं, बिहार में मुख्यमंत्री की कुर्सी खाली नहीं होने की बात कहते हैं तो वहीं दूसरी तरफ बिहार की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा करते हैं। चिराग पासवान के विरोधाभासी बयानों ने बिहार की राजनीति को उलझा दिया है। जरा उनके और उनके बहनोई एवं लोकसभा सांसद अरुण भारती के कुछ बयानों पर नजर डालिए। एक तरफ जहां चिराग कह रहे हैं कि बिहार में मुख्यमंत्री की कुर्सी खाली नहीं है तो दूसरी तरफ वह खुद विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुके हैं। इतना ही नहीं वह बिहार को विकसित बिहार बनाने के लिए बिहार जाने की बात कर रहे हैं। छपरा में एक बार फिर उन्होंने विधानसभा चुनाव लड़ने की बात को दोहराते हुए कहा कि, "आज सारण की इस पावन धरती से, आप सबके सामने मैं यह कहकर जा रहा हूं कि हां, मैं चुनाव लड़ूंगा। मैं चुनाव लड़ूंगा बिहारियों के लिए, अपने भाइयों के लिए, अपनी माताओं के लिए, अपनी बहनों के लिए और बिहार में एक ऐसी व्यवस्था तैयार करेंगे, एक ऐसा बिहार बनाएंगे जो सही मायनों में प्रदेश को विकास की राह पर आगे ले जाएगा।" इससे पहले उनके बहनोई एवं लोकसभा सांसद अरुण भारती एक वीडियो जारी कर चिराग पासवान के शाहाबाद क्षेत्र से चुनाव लड़ने का संकेत दे चुके हैं। अरुण भारती को चिराग पासवान ने पार्टी का चीफ व्हिप भी बनाया हुआ है और वह लगातार यह भी बयान दे रहे हैं कि बिहार चिराग पासवान को बुला रहा है। ऐसे में सवाल यह खड़ा हो रहा है कि अगर बिहार एनडीए गठबंधन में शामिल चिराग पासवान को बुला रहा है (बकौल लोजपा नेता) तो फिर नीतीश कुमार कहां जाएंगे ? और अगर बिहार में मुख्यमंत्री की कुर्सी खाली नहीं है (जैसा कि चिराग पासवान ने स्वयं कई बार कहा है) तो क्या वह केंद्र की मोदी सरकार में मंत्री का पद और सांसदी सिर्फ एक विधायक बनने के लिए छोड़ेंगे ? उनकी पार्टी को एनडीए गठबंधन में किसी भी सूरत में 30 से ज्यादा सीटें नहीं मिलने वाली है, यह जानने के बावजूद एक तरफ जहां चिराग पासवान बिहार की सभी 243 सीटों पर लड़ने का दावा कर रहे हैं तो साथ ही एनडीए गठबंधन को जीत दिलाने की भी बात कह रहे हैं।

अपूर्वा मुखीजा

की कुल संपत्ति 41 करोड़ रुपये है? वायरल दावे पर रिबेल गर्ल ने तोड़ी चुप्पी

अपूर्वा मुखीजा उर्फ द रिबेल किड हाल ही में इंटरनेट पर अपनी कथित कमाई के बारे में रिपोर्ट आने के बाद सुर्खियों में आई थीं। बिजनेस टुडे ने बताया कि वह हर दिन 2.5 लाख रुपये कमाती हैं और उन्होंने ₹41 करोड़ रुपये का साम्राज्यश खड़ा किया है। इस बीच, एक आईआईटी के पूर्व छात्र का एक पोस्ट वायरल हो गया। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर @digitalsangghi हैंडल से जाने वाले यूजर ने एक नोट शेयर किया, जिसमें शैक्षणिक उपलब्धियों की तुलना में कंटेंट क्रिएशन को समाज द्वारा दिए जाने वाले महत्व पर प्रकाश डाला गया। इस पोस्ट ने योग्यता और सफलता की बदलती परिभाषा के बारे में बहस छेड़ दी। अब, अपूर्वा मुखीजा ने आखिरकार वायरल दावे के बारे में अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बताए गए आंकड़े गलत हैं। अपूर्वा मुखीजा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक पोस्ट शेयर की जिसमें उनकी कथित कमाई का जिक्र था। पोस्ट में लिखा है, षबिजनेस टुडे के अनुसार, अपूर्वा मुखीजा हर दिन 2.5 लाख रुपये कमाती हैं और अपने ऑनलाइन अवतार ष्कलशी औरतष् के साथ उन्होंने 41 करोड़ रुपये का साम्राज्य खड़ा कर लिया है– इस रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए, अपूर्वा ने बस इतना लिखा, गलत है भाई????? इससे पहले अपूर्वा मुखीजा हाल ही में करण जौहर के रियलिटी शो द ट्रेटर्स में दिखाई दीं, जो जैसलमेर के सूर्यगढ़ पैलेस की पृष्ठभूमि पर आधारित है। दो अलग–अलग रास्तों की तुलना करते हुए, पहला शारीरिक और मानसिक कड़ी मेहनत से जुड़ा था जबकि दूसरा सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि और बहुत कम पैसे लेकर आया, एक्स पर @digitalsangghi नाम के यूजर ने लिखा, आज मुझे 100 लोग भी नहीं जानते। उसने याद किया कि कैसे उसने भारत की सबसे कठिन इंजीनियरिंग परीक्षा पास करके भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (प्ज्) कानपुर में प्रवेश पाने के लिए अपने सामाजिक संबंधों को त्याग दिया और कई व्यक्तिगत बलिदान दिए। यह पर्याप्त नहीं था, पेशेवर सफलता के लिए उसके रास्ते में छह साल का शैक्षणिक दबाव, मानसिक तनाव और नौकरी की चिंता शामिल थी। अपनी जीवन यात्रा का विवरण देते हुए जो बर्नआउट और बाधाओं से भरी थी, उसने कहा, भारत की सबसे कठिन इंजीनियरिंग परीक्षा को पास करने के लिए प्रतिदिन 14 घंटे पढ़ाई की, घर, दोस्तों, चचेरे भाई–बहनों, नींद और सपनों को छोड़ दिया – प्ज् में प्रवेश पाया, फिर 4+2 साल तक ब्ळच्। के बुरे सपने, लैब वाइवा के आघात और प्लेसमेंट के तनाव से जूझता रहा। इस बीच, बिजनेस टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, द रिबेल किड अपने मजेदार वायरल वीडियो, रियलिटी शो में भाग लेने और ब्रांड कैंपेन से प्रतिदिन लगभग घ्2.5 लाख कमाती है। आईआईटी के पूर्व छात्र ने कहा, इस बीच... रील, लाल लिपस्टिक, अर्ध नग्नता और खुलेआम गाली–गलौज, बीसी एमसी को फिलर के रूप में इस्तेमाल करके 41 करोड़ का साम्राज्य बनाया जा सकता है। दुनिया वाकई निष्पक्ष है। पोस्ट में लिखा है, भारत की सबसे कठिन इंजीनियरिंग परीक्षा को पास करने के लिए प्रतिदिन 14 घंटे पढ़ाई की, घर, दोस्त, चचेरे भाई–बहन, नींद और सपने सब त्याग दिए – आईआईटी में दाखिला लिया, फिर 4+2 साल तक सीजीपीए के बुरे सपने, लैब वाइवा के सदमे और प्लेसमेंट के तनाव से जूझता रहा। आज? मुझे 100 लोग भी नहीं जानते। इसके बाद यूजर ने बिजनेस टुडे के एक लेख में छपे मुखीजा की सफलता से संघर्ष की तुलना की, जिन्होंने इंस्टाग्राम रील बनाकर 41 करोड़ रुपये का साम्राज्य खड़ा किया और कथित तौर पर प्रतिदिन 2.5 लाख रुपये कमाते हैं। इसमें आगे कहा गया है, इस बीच... रील, लाल लिपस्टिक, अर्ध–नग्न और खुलेआम गाली–गलौज, बीसी एमसी को फिलर के रूप में इस्तेमाल करके 41 करोड़ रुपये का साम्राज्य बनाया जा सकता है। दुनिया वाकई निष्पक्ष है। पोस्ट ने दो करियर विकल्पों की तुलना करने के लिए कई उपयोगकर्ताओं की आलोचना की।

दूसरी बार मां बनने के 22 दिन बाद ही इशिता दत्ता का तगड़ा वेट लॉस, एक्ट्रेस ने किया अपनी पोस्टपार्टम डाइट रुटीन का खुलासा

अजय देवगन की दृष्यम फिल्म में नजर आ चुकीं फेमस एक्ट्रेस इशिता दत्ता इन दिनों अपनी वेट लॉस जर्नीको लेकर चर्चा में हैं। वो 22 दिन पहले ही दूसरे बच्चे की मां बनी हैं और इतने कम दिनों में उनका तगड़ा वेट लॉस देख लोग काफी शॉक्ड हो रहे हैं। इसी बीच हाल ही में न्यू मॉम इशिता ने बताया कि वो मां बनने के बाद कैसे तेजी से अपना वजन कम कर रही हैं। तो चलिए जानते हैं। इशिता दत्ता ने अपनी पोस्टपार्टम डाइट रुटीन का खुलासा करते हुए लिखा, मैं बहुत हेल्दी डाइट ले रही हूं। नो शुगर, ढेर सारी सब्जियां, मेवे, बीज और फल। मैं सूप भी पीती हूं और जंक फूड बिल्कुल नहीं खाती। बैलेंस और सादगी पर जोर देते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि उनका खाना ज्यादातर घर का बना होता है और कम तेल में पकाया जाता है। सब घर का कम तेल वाला खाना और छोटे–छोटे, बार–बार खाना. इशिता दत्ता ने कहा, ब्रेस्टफीडिंग आपको ढेर सारी कैलोरी घटाने में मदद करता है। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे खाने के नेचुरल प्रोसेस के जरिए पोस्ट डिलीवरी को कारगर बनाया जा सकता है। इसके साथ ही उन्होंने नई माओं के लिए कहा, हर किसी की बॉडी अलग है और हर प्रेग्नेंसी अलग है। आप वहीं करें जो आपके लिए बेस्ट है। नेचुरल डिलीवरी की कोई गारंटी नहीं है। हेल्दी खाएं, एक्टिव रहे अगर डॉक्टर कहें तो. लेकिन यह भी ध्यान रखें कि कभी कभी अगर आप सही भी कर रहे होते हैं तो चीजें गलत हो सकती हैं। इसीलिए कोई बात नही।

कपिल शर्मा ने कनाडा में खोला कैफे, पिंक थीम पर आधारित कैफे देख हो जाएगा जाने का मन

मशहूर कॉमेडियन और एक्टर कपिल शर्मा अब सिर्फ हँसी के सरताज नहीं रहे, बल्कि उन्होंने अपना बिजनेस एक्सपेंशन करते हुए फूड इंडस्ट्री में भी कदम रख दिया है। सिर्फ देश में ही नहीं बल्कि अब वो विदेश में अन्य फील्ड में कमाई करेंगे। हाल ही में कपिल शर्मा ने कनाडा में अपना खुद का कैफे लॉन्च किया है, जो अपने खास इंटीरियर और यूनिक थीम को लेकर सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियाँ बटोर रहा है। कैफे की दीवारों से लेकर फर्नीचर, कटलरी और डेकोरेशन तककृहर चीज गुलाबी रंग में रंगी है। यह कैफे न सिर्फ विजुअली आकर्षक है, बल्कि इसका माहौल भी बहुत सुकूनदायक और मॉडर्न फील देता है। इस कैफे की झलक कपिल की पत्नी गिन्नी चतरथ ने सोशल मीडिया पर शेयर की है, जिसके बाद से यह कैफे इंटरनेट पर चर्चा का विषय बन गया। फैंस को कपिल का यह नया अंदाज बेहद पसंद आ रहा है। मनोरंजन की दुनिया में अपनी पहचान बनाने के बाद अब कपिल का यह नया बिजनेस वेंचर भी खासा चर्चित हो रहा है।

मुंबई के ऐतिहासिक स्टूडियो में से एक फिल्मिस्तान स्टूडियो की हुई बिक्री, 183 करोड़ रुपये में हुआ सौदा

मुंबई, जिसे भारतीय फिल्म इंडस्ट्री का दिल कहा जाता है, वहां के ऐतिहासिक स्टूडियो में से एक फिल्मिस्तान स्टूडियो अब बीते युग की याद बनता जा रहा है। हाल ही में इस स्टूडियो को आर्केड डेवलपर्स ने 183 करोड़ रुपये में खरीद लिया है। यह सौदा न केवल एक संपत्ति का ट्रांसफर है, बल्कि भारतीय सिनेमा के इतिहास का एक महत्वपूर्ण मोड़ भी है। 3 जुलाई 2025 को इस स्टूडियो की बिक्री रजिस्टर की गई। आर्केड डेवलपर्स लिमिटेड यहां लगभग 3000 करोड़ रुपये की लागत से एक नया लग्जरी रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट शुरू करने की योजना बना रहा है। इस योजना में दो ऊंची टॉवर्स होंगे, जिनमें 50 फ्लोर होंगे। यहां 3, 4 और 5 बीएचके फ्लैट्स के साथ–साथ पेंटहाउस भी बनाए जाएंगे। इसके 2026 तक शुरू होने की उम्मीद है। यह मुंबई का तीसरा ऐतिहासिक स्टूडियो होगा जो मल्टी स्टोरी बिल्डिंग में तब्दील किया जा रहा है। इससे पहले आरके स्टूडियो (चेंबूर) और कमालिस्तान स्टूडियो (जोगेश्वरी) को भी इसी तरह रियल एस्टेट प्रोजेक्ट में बदला गया है। फिल्मिस्तान स्टूडियो की स्थापना 1943 में हुई थी। इस ऐतिहासिक स्टूडियो की नींव रखी थी प्रसिद्ध फिल्म निर्माता शशधर मुखर्जी ने, जो एक्ट्रेस काजोल और रानी मुखर्जी के दादा भी थे। उन्होंने अपने बहनोई, मशहूर एक्टर अशोक कुमार के साथ मिलकर इस स्टूडियो को खड़ा किया था। ज्ञान मुखर्जी और बहादुर चुन्नीलाल भी इसके सह–संस्थापक थे। स्टूडियो की शुरुआत उस वक्त हुई जब अशोक कुमार ने मुंबई के सबसे प्रमुख स्टूडियो बॉम्बे टॉकीज को छोड़ दिया था और एक नई शुरुआत की ओर कदम बढ़ाया। फिल्मिस्तान की स्थापना के पीछे हैदराबाद के निजाम उस्मान अली खान की आर्थिक मदद भी मानी जाती है। इस स्टूडियो में कई ऐतिहासिक और सुपरहिट फिल्मों शहीद (1948). शबनम (1949), सरगम (1950), अनारकली (1953), नागिन (1954), मुनीमजी (1955) और पेइंग गेस्ट (1957) की शूटिंग हुई।

रिया चक्रवर्ती

का जींस टॉप में स्टाइलिश लुक, चेहरे पर काला चश्मा लगा कैमरे के सामने दिखाया स्वैग

रिया चक्रवर्ती हमेशा से ही अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर चर्चा में रही हैं। हाल के दिनों में वह कुछ पब्लिक इवेंट्स और अवॉर्ड शोज में नजर आई हैं, जहां उनके फैशन सेंस की जमकर तारीफ हुई। रिया भले ही फिल्मों में कम नजर आ रही हों, लेकिन सोशल मीडिया पर उनकी मौजूदगी मजबूत बनी हुई है। वो अक्सर खुद से जुड़े अपडेट फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। अब हाल ही में रिया ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ ग्लैमरस और स्टाइलिश लुक की तस्वीरें शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर खूब वायरलल हो रहा हैं। लुक की बात करें तो इन तस्वीरों में रिया चक्रवर्ती ब्लैक क्रॉप टॉप के साथ ब्लू जींस में काफी स्टाइलिश नजर आ रही हैं। गले में चेन, हाथ में ब्रेसलेट और खुले बालों से उन्होंने अपने लुक को कंप्लीट किया है। चेहरे पर काला चश्मा लगाए वो अपना स्वैग दिखा रही हैं तो किसी फोटो में वह चश्मा ऊपर कर जबरदस्त पोज दे रही हैं। इन तस्वीरों में जहां रिया का ग्लैमरस लुक देखने को मिल रहा है, वहीं वह अपने स्टाइलिश अंदाज से फैंस का दिल जीत रही हैं। फैंस रिया की इन तस्वीरों पर कमेंट कर उनकी खूब तारीफ कर रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो रिया चक्रवर्ती ने सोनाली केबल, बैंक चोर, हाफ गर्लफ्रेंड, दोबारा रू सी योर ईविल और जलेबी जैसी कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं। साल 2024 में रिया ने फिल्मों के अलावा नए प्रोजेक्ट्स में भी किस्मत आजमाई। उन्होंने एक पॉडकास्ट शुरू किया और अपना खुद का फैशन ब्रांड चौप्टर 2 लॉन्च किया।

बच्चे के बाल अभी से होने लगे हैं सफेद, तो जान लें इसके पीछे की वजह

छोटे बच्चों में सफेद बाल होना एक आम समस्या बनती जा रही है। इसका कारण पोषण की कमी, हार्मोनल असंतुलन, और तनाव प्रमुख हैं। सफेद हुए बालों को प्राकृतिक रूप से काला करना तो संभव नहीं है, पर पोषक तत्वों की कमी को पूरा कर इस समस्या को बढ़ने से रोका जा सकता है। चलिए जानते हैं बच्चों के सफेद बाद होने के कारण, उपचार और किस उम्र में सफेद बाल ज्यादा आते हैं।

छोटे बच्चों में सफेद बाल के कारण

विटामिन और मिनरल की कमीः विटामिन बी12 की कमी यह बालों के सफेद होने का एक प्रमुख कारण हो सकता है। फोलिक एसिड, विटामिन डी3 और आयरन की कमीये तत्व भी बालों की पिगमेंटेशन के लिए आवश्यक होते हैं।

अनुवांशिक कारण अगर परिवार में पहले से किसी को कम उम्र में सफेद बाल हुए हैं, तो बच्चों में भी यह समस्या हो सकती है। थायरॉइड की समस्याएं भी बालों के सफेद होने का कारण बन सकती हैं।

ऑटोइम्यून डिसऑर्डरः कुछ ऑटोइम्यून डिसऑर्डर जैसे एलोपेसिया एरिएटा, विटिलिगो भी सफेद बाल का कारण हो सकते हैं। अत्यधिक मानसिक तनाव और चिंता भी बालों की पिगमेंटेशन को प्रभावित कर सकते हैं। जंक फूड का अधिक सेवन भी बालों के सफेद होने का कारण हो सकता है।

सफेद बाल का ईलाजः

– विटामिन और मिनरल युक्त आहार का सेवन करें। हरी पत्तेदार सब्जियाँ, फल, दूध, दही, और नट्स बच्चे की डाइट में शामिल करें।

– डॉक्टर की सलाह से विटामिन बी12, फोलिक एसिड, और अन्य आवश्यक सप्लिमेंट्स दें।

– योग, मेडिटेशन और नियमित व्यायाम से तनाव को कम करें।

– आंवला, ब्राह्मी, भृंगराज आदि जड़ी–बूटियां बालों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होती हैं।

– आंवले के तेल और नारियल तेल का नियमित उपयोग करें।

– अगर समस्या गंभीर है, तो त्वचा विशेषज्ञ या ट्राइकोलॉजिस्ट से परामर्श लें। वे सही निदान और उपचार बता सकते हैं।

किस उम्र में ज्यादा आते हैं सफेद बाल

– सफेद बाल आमतौर पर उम्र बढ़ने के साथ आते हैं, लेकिन कुछ मामलों में बच्चे और किशोर भी इससे प्रभावित हो सकते हैं।– अगर सफेद बाल किशोर अवस्था (12–18 वर्ष) में आने लगते हैं, तो यह चिंता का विषय हो सकता है और इसकी जांच कराना आवश्यक होता है।

कहीं आप भी तो नहीं कर रहे नकली केसर का इस्तेमाल, ऐसे करें असली-नकली में फर्क

केसर का इस्तेमाल लगभग हर घर में किया जाता है। हालांकि केसर बहुत महंगा आता है। भले ही इसकी कीमत कितनी भी ज्यादा क्यों न हो, लेकिन हर घर में इसका इस्तेमाल किया जाता है। मिठाइयों की रंगत बढ़ाने से लेकर स्वाद को इन्हेंस करने तक के लिए केसर का उपयोग होता है। वहीं यह स्वास्थ्य के लिहाज से भी फायदेमंद मानी जाती है। बता दें कि कश्मीर में केसर खूब बिकती है। लेकिन केसर खरीदने से पहले यह जरूर जांच लेना चाहिए कि आप जिस केसर को खरीद रहे हैं, या उपयोग में लाने जा रहे हैं, वह असली है भी या नहीं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए बताने जा रहे हैं कि असली और नकली केसर की पहचान किस तरह से करनी चाहिए।

पानी से करें चेक

केसर असली है या नकली इसकी पहचान करने के लिए आप पानी में केसर को डालकर इसे चेक कर सकते हैं। इसके लिए थोड़े से पानी में केसर का एक रेशा डालकर देखें। अगर केसर का धागा फौरन अपना रंग छोड़ देता है, तो यह नकली है। क्योंकि असली केसर को पानी के रंग में आने के लिए थोड़ा समय लगता है।

टेस्ट कर के देखें

आप टेस्ट करके भी देख सकते हैं कि केसर असली है या नकली। केसर के एक रेशे को जीभ पर रखें। अगर केसर असली होगा, तो आपको 15–20 मिनट के अंदर गर्मी लगेगी। वहीं नकली केसर खाने से कुछ भी महसूस नहीं होता है। वहीं अगर जीभ पर रखते ही केसर का रेशा तुरंत रंग छोड़ दें, या इसका स्वाद मीठा लगे। तो समझ लें कि यह केसर नकली है।

दबाकर देखें

इसके अलावा आप केसर का दबाकर भी चेक कर सकते हैं कि यह असली है या नकली। अगर केसर का रेशा दबाने पर टूट जाए तो समझें कि यह असली है। वहीं अगर यह नहीं टूटती है तो यह नकली है। क्योंकि असली केसर काफी मुलायम है। इसलिए यह हाथ में लेते ही टूट जाता है।

दूध में भिगोकर करें टेस्ट

वहीं आप दूध में केसर का रेशा डालकर चेक कर सकते हैं। इसके लिए गुनगुने दूध में केसर को डालें। यदि यह दूध में पूरी तरह से घुल जाता है, तो यह असली है। क्योंकि नकली केसर दूध में नहीं घुलता है। नकली केसर के रेशे पानी में रह जाते हैं।

गर्मियों में रोजाना इन सुपरफूड्स का करें सेवन, रहेंगे हमेशा फ्रेश और कूल

गर्मियों में उपचारविधि में आहार का महत्व अत्यधिक है। गर्मियों में ठंडक महसूस कराने वाले और स्वास्थ्य के लिए लाभकारी खाद्य पदार्थों की अच्छी व्यवस्था न केवल हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखती है, बल्कि वे हमें ऊर्जा प्रदान करते हैं और त्वचा की देखभाल में भी मदद करते हैं। इन आहारों को अपने दैनिक जीवन में शामिल करके हम गर्मियों के दौरान स्वस्थ और फ्रेश रह सकते हैं।

1. तरबूज

यह रसीला फल हाइड्रेटिंग होता है और विटामिन ए और सी के साथ–साथ लाइकोपीन जैसे एंटीऑक्सिडेंट्स भी प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, जो आपकी त्वचा को सूरज के नुकसान से बचाने में मदद कर सकते हैं।

2. खीरा

यह लगभग 95ः पानी से बना होता है और हाइड्रेटिंग और कैलोरी में कम होता है। इसमें विटामिन के और सी के साथ–साथ सिलिका भी होती है, जो हाइड्रेशन और स्वस्थ त्वचा को बढ़ावा देती है।

3. बेरीज

स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी, रस्पबेरी और ब्लैकबेरी में एंटीऑक्सिडेंट्स, फाइबर और विटामिन भरपूर मात्रा में होते हैं। ये ताजगी देते हैं और सलाद और मिठाइयों में भी जोड़े जा सकते हैं।

4. पत्तेदार सब्जियाँ

लेट्यूस, स्पिनेच, और केल जैसे सब्जियाँ जल की मात्रा में होती हैं और विटामिन ए, सी और के के साथ–साथ पोटैशियम जैसे खनिज भी प्रदान करती हैं।

5. सीताफल

संतरा, नींबू, नीबू, और चकोतरा ताजगी देते हैं और विटामिन सी में समृद्ध होते हैं, जो आपके प्रतिरक्षा प्रणाली को समर्थन देता है और स्वस्थ त्वचा को बढ़ावा देता है।

6. पुदीना

पानी, सलाद या मिठाइयों में ताजगी के लिए ताजा पुदीने के पत्ते जोड़ना शीतलता का अनुभव कराता है। पुदीना पाचन को सहायक बनाता है और पाचन समस्याओं या मतली को शांत करने में मदद कर सकता है।

7. नारियल पानी

यह प्राकृतिक हाइड्रेटर होता है और पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स में समृद्ध होता है, जो पसीने से खो गए तरलता को पुनर्स्थापित करने के लिए उत्तम विकल्प होता है। इन खाद्य पदार्थों को अपने गर्मियों के आहार में शामिल करने से न केवल आप शीतल और ताजगी महसूस करेंगे, बल्कि सुनहरे महीनों में अपने स्वास्थ्य का समर्थन करने के लिए विभिन्न पोषक तत्वों की विविधता भी प्राप्त करेंगे।

आहार विशेषज्ञों से जानें गट हेल्थ के लिए सबसे बेस्ट टी, पाचन को दुरूस्त करता है

स्वस्थ आंत होने से न केवल पाचन और पोषक तत्वों के अवशोषण में सहायता मिलती है, बल्कि यह आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली, मस्तिष्क, त्वचा, हृदय और अन्य सहित शरीर के असंख्य अन्य हिस्सों का भी समर्थन करती है। चूंकि हाल के वर्षों में व्यापक स्वास्थ्य लाभ सामने आए हैं, बहुत से लोग हमारे माइक्रोबायोम की भलाई को बढ़ावा देने में रुचि रखते हैं। लेकिन आप जो सोच सकते हैं उसके विपरीत, आपको स्वस्थ आंत का समर्थन करने के लिए महंगे पूरक लेने की ज़रूरत नहीं है। वास्तव में, आपके पास पहले से मौजूद कुछ पेय बड़ा अंतर ला सकते हैं।

सूजन को कम करने से लेकर मतली से राहत देने तक, कुछ चायें आंत के अनुकूल पावरहाउस के रूप में सामने आती हैं। इस लेख में, हम पेट के स्वास्थ्य के लिए सबसे अच्छी टी के बारे में चर्चा करेंगे, जो पंजीकृत आहार विशेषज्ञों की विशेषज्ञता द्वारा निर्देशित होगी, ताकि आपको स्वस्थ पाचन तंत्र प्राप्त करने में मदद मिल सके। चाय के शौकीन नहीं? चिंता न करें, हम आपके पेट के स्वास्थ्य का समर्थन करने के अन्य तरीकों की भी समीक्षा करेंगे और उन्हें अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करने के बारे में सुझाव देंगे।

आंत के स्वास्थ्य के लिए अदरक की टी के फायदे

जबकि कई चाय हैं जो पेट के स्वास्थ्य के लिए लाभ प्रदान करती हैं – जिनमें पुदीना, कैमोमाइल और सौंफ शामिल हैं – अदरक की चाय सर्वश्रेष्ठ में से एक है। अदरक के पौधे की जड़ से बना यह एक लोकप्रिय प्राकृतिक उपचार है जिसका उपयोग कई स्वास्थ्य बीमारियों के लिए किया जाता है। सूजन–रोधी, एंटीऑक्सीडेंट और पाचन–सहायता गुणों का इसका अनूठा संयोजन इसे विभिन्न पाचन समस्याओं को शांत करने में असाधारण रूप से प्रभावी बनाता है।

मतली को कम कर सकता है

आहार विशेषज्ञ क्रिस्टल ओरोज़्को, आरडी, कहते हैं, ष्अदरक की चाय तब बहुत अच्छी होती है जब आपको पाचन संबंधी समस्याएं होती हैं, विशेष रूप से बार–बार पेट दर्द, सूजन और मतली होती है।ष यह आंत में सेरोटोनिन रिसेप्टर्स को अवरुद्ध करके मतली से राहत देने में मदद करता है जो उल्टी प्रतिक्रिया को ट्रिगर करते हैं। अदरक में मौजूद प्राकृतिक यौगिक, जैसे जिंजरोल्स, मतली को कम करने का काम करते हैं, जो आपको बेहतर महसूस करने में भी मदद कर सकता है। ओरोज़्को का कहना है, "एक आहार विशेषज्ञ के रूप में जो हमेशा पेट की समस्याओं से जूझता रहा है, अदरक की चाय मेरे पसंदीदा उपचारों में से एक है। मैं हमेशा पेट दर्द और परेशानी को कम करने के लिए नींबू और शहद के साथ सुखदायक अदरक की चाय पीने की सलाह देता हूं।श्श

अपच से राहत दिलाने में मदद करता है

अदरक को गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल स्वास्थ्य पर इसके चिकित्सीय प्रभावों के लिए पहचाना गया है, विशेष रूप से गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स रोग (जीईआरडी) और अपच जैसी स्थितियों के प्रबंधन के लिए। शोध से पता चला है कि अदरक पेट में एसिड के उत्पादन को कम करने में मदद कर सकता है, जो जीईआरडी के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकता है।1 इसके अलावा, अदरक की गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल मांसपेशियों को आराम देने की क्षमता भी अपच से जुड़ी ऐंठन, सूजन और परेशानी को कम कर सकती है।

कब्ज के खतरे को कम करता है

अदरक को गैस्ट्रिक खाली करने में तेजी लाने के लिए दिखाया गया है, जो पेट से छोटी आंत तक भोजन की गति है। इस प्रक्रिया को तेज करके, अदरक पेट में भोजन के खर्च होने के समय को कम करने में मदद कर सकता है। इससे कब्ज के जोखिम के साथ–साथ मतली और सीने में जलन जैसी अन्य पाचन संबंधी परेशानियों को कम करने में मदद मिल सकती है।

आपके पेट के स्वास्थ्य को समर्थन देने के अन्य तरीके

संतुलित आहार लें

स्वस्थ आंत माइक्रोबायोम का समर्थन करने वाले फाइबर प्रदान करने के लिए विभिन्न प्रकार के फलों, सब्जियों, साबुत अनाज और दुबले प्रोटीन को शामिल करें। फाइबर नियमित मल त्याग, लाभकारी आंत बैक्टीरिया को पोषण देने और पाचन तंत्र में रोगाणुओं के स्वस्थ संतुलन को बनाए रखने में मदद करने के लिए आवश्यक है।

हाइड्रेटेड रहें

भरपूर पानी पीने से पाचन में सहायता मिलती है और आपके पेट में अच्छे बैक्टीरिया का संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है। पानी मल को नरम करने में भी मदद कर सकता है, जिससे मलत्याग आसान हो जाता है। हाइड्रेटेड रहने से आंतों की म्यूकोसल परत को भी समर्थन मिलता है, जो पोषक तत्वों के अवशोषण में सहायता करता है।

प्रोबायोटिक्स और प्रीबायोटिक्स शामिल करें

दही, केफिर, सॉकरौट और अन्य किण्वित खाद्य पदार्थों जैसे खाद्य पदार्थों में प्रोबायोटिक्स होते हैं, जबकि लहसुन, प्याज और केले प्रीबायोटिक्स के अच्छे स्रोत हैं। साथ में, वे एक विविध और संपन्न आंत माइक्रोबायोम का समर्थन करते हैं।

तनाव को प्रबंधित करें

जीवन में कुछ तनाव अपरिहार्य है, लेकिन लगातार उच्च तनाव का स्तर आपके पेट के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। समय के साथ, यह पुरानी सूजन को बढ़ा सकता है जो आंत में बैक्टीरिया के संतुलन को बाधित कर सकता है, आंत की पारगम्यता को बढ़ा सकता है और पाचन क्रिया को बदल सकता है। कोर्टिसोल जैसे तनाव हार्मोन आंत की गतिशीलता और आंत की परत की अखंडता को प्रभावित कर सकते हैं। माइंडफुलनेस, ध्यान और नियमित शारीरिक गतिविधि जैसे अभ्यास तनाव को कम करने और स्वस्थ आंत का समर्थन करने में मदद कर सकते हैं।

संक्षिप्त

रुपया शुरुआती कारोबार में 26 पैसे टूटकर 85.66 प्रति डॉलर पर

विदेशी पूंजी की निकासी और घरेलू शेयर बाजारों की कमजोर शुरुआत के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 26 पैसे टूटकर 85.66 प्रति डॉलर पर आ गया। अमेरिका के अपने व्यापारिक साझेदारों पर शुल्क बढ़ोतरी की समय–सीमा नौ जुलाई से पहले नए समझौते करने का दबाव रविवार को बढ़ा दिया और देशों को धमकी दी है कि एक अगस्त से उच्च शुल्क लागू हो सकते हैं। इससे रुपये पर और दबाव पड़ेगा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.53 पर खुला। बाद में 85.66 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 26 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले 85.40 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 97.08 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 170.66 अंक की गिरावट के साथ 83,262.23 अंक पर जबकि निफ्टी 53.75 अंक फिसलकर 25,407.25 अंक पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.66 प्रतिशत की गिरावट के साथ 67.85 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 760.11 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

रसायन उद्योग को गति देने के लिए नीति आयोग का रोडमैप, 2030 तक नेट जीरो आयात का लक्ष्य

नई दिल्ली। भारत का रसायन उद्योग में मजबूत वृद्धि की संभावनाएं बन रही हैं। इसे समर्थन देने किए भारत सरकार की नीति आयोग ने सात प्रमुख नीतिगत हस्तक्षेपों की सिफारिश की है। इसका उद्देश्य वैश्विक रसायन मूल्य श्रृंखला में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाना है।

नीति आयोग की रिपोर्ट

नीति आयोग की जुलाई 2025 की रिपोर्ट ष्पावरिंग इंडियाज पार्टिसिपेशन इन ग्लोबल वैल्यू चौंसष् के अनुसार भारत वैश्विक रसायन खपत में लगभग 3 से 3.5 प्रतिशत का योगदान करता है। इसे 2030 तक 5 से 6 प्रतिशत और 2040 तक 10 से 12 प्रतिशत बढ़ाने का लक्ष्य है।

आयात पर निर्भरता है कि बड़ी चुनौती

रिपोर्ट में कहा गया कि वैश्विक रसायन बाजार में भारत की उपस्थिति लगातार बढ़ रही है। इस क्षेत्र में विकास के मजबूत आधार मौजूद हैं। हालांकि एक बड़ी चुनौती को भी रेखांकित किया गया है। देश अब भी रसायनों का शुद्ध आयातक है और इसका व्यापार घाटा लगभग 31 अरब डॉलर है। आयात पर यह भारी निर्भरता घरेलू उत्पादन क्षमताओं की कमी को दर्शाता है।

नीति आयोग का मानना है कि भारत इन चुनौतियों को दूर करके 2030 तक नेट जीरो इंपोर्टर बनने की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

सात रणनीतिक हस्तक्षेप

बुनियादी ढांचे का विकास, खासतौर पर रसायन उद्योग के लिए बंदरगार सुविधाओं को उन्नत करना शामिल है।

रासायनिक निर्माताओं को समर्थन देने के लिए ऑपेक्स सब्सिडी जैसे उत्पादन आधारित प्रोत्साहन देना।

लक्षित नवाचारों के लिए एक समर्पित अनुसंधान एवं विकास निधी फंड की स्थापना करना।

मुक्त व्यापार समझौते को संशोधित करके अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने का सुझाव दिया गया, ताकि रसायन उद्योग को लाभ हो।

कारोबार को सुगम बनाना, इसमें पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखते हुए पर्यावरणीय मंजूरी जैसे प्रक्रियाओं को सरल बनाना शामिल है।

उद्योग की जरूरतों के अनुरूप कार्यबल प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभा और कौशल उन्नयन की आवश्यकता पर बल देना।

संस्थागत सुधार, विभिन्न सरकारी विभागों और एजेंसियों में नियामक प्रक्रियाओं को सुचारू बनाना।

मौसमी उत्पादों की मांग घटी, कम गर्मी और समय से पहले मानसून ने डाला असर

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उपभोक्ता टिकाऊ कंपनियों का प्रदर्शन मिश्रित रहने की संभावना है। मोतीलाल ओसवाल की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार कम गर्मी की वजह से सबसे ज्यादा असर रूम एयर कंडीशनर (आरएसी) सेगमेंट पर पड़ा है। उपभोक्ता टिकाऊ कंपनियां, ऐसे उत्पाद बनाती हैं, जो लंबे समय तक चलते हैं और जिन्हें बार–बार खरीदने की आवश्यकता नहीं होती है। इन्हें टिकाऊ सामान भी कहा जाता है।

मांग में कमी के बावजूद नहीं घटी कीमतें

इसमें कहा गया कि इस साल गर्मियों की शुरुआत में तापमान अपेक्षाकृत कम रहा। दक्षिणी और पश्चिमी क्षेत्रों में मानसून का समय से पहले आगमन हुआ। अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026 में आरएसी की मांग में 25 प्रतिशत की वार्षिक गिरावट आ सकती है। यह उच्च आधार से भी प्रभावित है। हालांकि, मांग में कमी के बाजूद तिमाही के दौरान बाजार में कीमतों में कोई बड़ा सुधार नहीं देखा गया।

पिछले वित्त वर्ष में रहा मजबूत प्रदर्शन

वहीं वित्त वर्ष 2025 में आरएसी सेगमेंट ने मजबूत वॉल्यूम ग्रोथ और बेहतर मार्जिन के साथ दमदार प्रदर्शन किया था। लेकिन वित्त वर्ष 2026 की शुरुआत में कमजोर मौसम से वॉल्यूम में गिरावट का खतरा बना हुआ है। इसके बावजूद उद्योग जगत चालू वित्त वर्ष के लिए 10 से 15 प्रतिशत राजस्व वृद्धि का अनुमान लगा रहे हैं।

आकाश की तारीफ करने से खुद को नहीं रोक सके स्टोक्स, कहा- जिस गेंद पर उन्होंने ब्रुक को आउट किया...

एजबेस्टन। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने स्वीकार किया कि भारत ने दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में खेल के हर विभाग में उनकी टीम से बेहतर प्रदर्शन किया। स्टोक्स ने साथ ही तेज गेंदबाज आकाशदीप को अविश्वसनीय गेंदबाज बताया और उनके कौशल की तारीफ की। स्टोक्स ने कहा कि आकाश दीप की गेंदबाजी ने ही मैच में निर्णायक अंतर पैदा किया।

आकाश ने मैच में 10 विकेट लिए

इंग्लैंड और इस सीरीज में अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे आकाश दीप ने 10 विकेट (पहली पारी में चार और दूसरी पारी में छह विकेट) लेकर भारत की 336 रन से जीत में अहम भूमिका निभाई। भारत की इस मैदान पर टेस्ट क्रिकेट में यह पहली जीत है। पांच मैच की सीरीज अब 1–1 से बराबर है। तीसरा टेस्ट 10 जुलाई से लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स में खेला जाएगा।

आकाश ने दरार का अच्छा फायदा उठाया

स्टोक्स ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मुझे लगता है कि आकाश ने चौथे दिन और पांचवें दिन की सुबह पिच पर पड़ी दरार का अच्छा इस्तेमाल किया। लगातार कोण बदलने और उसका बेहतरीन उपयोग करने की उनकी क्षमता अद्भुत है। वह काफी सटीक गेंदबाज हैं। वह पिच पर मौजूद दरार पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे। पांचवें दिन हैरी ब्रूक जिस गेंद पर आउट हुए, उस पर कोई भी बल्लेबाज कुछ नहीं कर सकता था।

आकाश ने जिस तरह से क्रीज पर कोण बदला...

उन्होंने कहा, जब जेमी स्मिथ ने शुरुआत में कुछ रन बनाए, तब मैं दूसरे छोर पर खड़ा था। गेंद एक फुट की दूरी पर थी। आकाश ने जिस

तरह से क्रीज पर कोण बदलते हुए भी उस क्षेत्र में गेंदबाजी की, इससे उनके अविश्वसनीय कौशल का पता चलता है। स्टोक्स की अगुआई वाली टीम ड्रॉ में विश्वास नहीं करती, लेकिन कप्तान ने कहा कि लक्ष्य पहुंच से बाहर था।

स्टोक्स ने बताया कब बदला मैच का रुख

उन्होंने कहा, 300 या इससे अधिक रन से हारना सच में बहुत बड़ा अंतर है। जब हम बल्लेबाजी करने उतरे तो हमें पता था कि हमारे सामने क्या चुनौती है, लेकिन चौथे दिन तीन विकेट और पांचवें दिन दो विकेट जल्दी खोने से सब कुछ बदल गया। स्टोक्स ने स्वीकार किया कि भारत ने खेल के हर विभाग में उनसे बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, इस सप्ताह भारत ने ऑलराउंड प्रदर्शन किया और इंग्लैंड से बेहतर रहे। चाहे वह बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी। पहले टेस्ट में हमने ऐसा किया था।

पिता–भाई को खोया, बहन कैंसर से जूझ रहीं, आर्थिक तंगी से लड़कर अब बुलंदियों को चूम रहे आकाश

बर्मिंघम। भारत के स्टार तेज गेंदबाज आकाश दीप इंग्लैंड दौरे पर धमाल मचा रहे हैं। लीड्स में पहले टेस्ट में मौका नहीं मिलने के बाद एजबेस्टन में जसप्रीत बुमराह की जगह उन्हें मौका दिया गया। इंग्लैंड की सरजमीं पर अपने पहले ही मैच में आकाश छा गए। उन्होंने मैच में कुल 10 विकेट लिए। पहली पारी में चार और दूसरी पारी में छह विकेट लेकर उन्होंने इंग्लैंड की बल्लेबाजी को ध्वस्त कर दिया। बुमराह की गैरमौजूदगी में कहा जा रहा था कि भारतीय टीम कैसे कामयाब हो पाएगी, लेकिन आकाश ने सिराज के साथ मिलकर दिखा दिया कि वे किसी से कम नहीं हैं। जिस तरह मैच के बाद फैंस उनसे ऑटोग्राफ लेते दिखे, इससे पता चलता है कि आकाश नाम के नए स्टार भारतीय क्रिकेट में उदय हो गया है। हालांकि, आकाश दीप के लिए यह सफर इतना आसा नहीं रहा है। इस मुश्किल सफर में उन्हें काफी कुछ खोना पड़ा, संघर्ष और अपनी कड़ी मेहनत के बलबूते वह इस मुकाम तक पहुंचे हैं। वो कहते हैं न भगवान के घर देर है, लेकिन अंधेर नहीं...आकाश की कहानी कुछ ऐसी ही है। एजबेस्टन में जीत के बाद आकाश ने कहा कि यह गेंदबाजी प्रदर्शन उनकी बहन के लिए है, जो पिछले दो साल से कैंसर से जूझ रही हैं। आकाश को आर्थिक तंगी भी झेलनी पड़ी। उन्होंने क्या कुछ नहीं सहा, लेकिन अब बिहार का यह लाल बुलंदियों को चूम रहा है। आइए उनके संघर्ष की कहानी जानते हैं...

इंग्लैंड के खिलाफ किया था डेब्यू

27 साल के आकाश दीप ने इंग्लैंड के खिलाफ साल 2024 के फरवरी–मार्च में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के चौथे मुकाबले में उतरते ही कमाल कर दिया था। उन्होंने इंग्लैंड की पहली पारी में शुरुआती तीन विकेट लेकर धमाल मचा दिया। आकाश को अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जगह खेलने का मौका मिला था। आकाश ने कप्तान रोहित शर्मा के भरोसे को सही साबित किया और यादगार प्रदर्शन किया।

आकाश के लिए आसान नहीं रहा सफर

आकाश के लिए राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने का सफर आसान नहीं रहा। मूलरूप से बिहार के सासाराम के रहने वाले इस खिलाड़ी ने अपने जीवन में संघर्ष के कई दौर देखे हैं। कभी पिता–भाई के निधन ने तोड़ा तो कभी आर्थिक तंगी के कारण क्रिकेट छोड़ना पड़ा। आकाश के पिता उन्हें सरकारी नौकरी करते देखना चाहते थे। उन्होंने कई परीक्षाएं भी दीं, लेकिन उनके मन में हमेशा क्रिकेट चल रहा था। पढ़ाई में उतना मन नहीं लगता था। वह क्रिकेट के लिए ज्यादा समय निकालते थे।

बचपन में लोग सुनाते थे ताने

आकाश ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा था कि लोग बचपन में उन्हें ताने सुनाते थे। यहां तक के दोस्तों के घर वाले भी उनकी बुराई करते थे। अपने बच्चों को उनसे दूर रहने की सलाह देते थे। भारतीय तेज गेंदबाज ने बताया कि लोग यह कहते थे कि आकाश से दूर रहो। उसके संगत में रहकर बिगड़ जाओगे। हालांकि, आकाश अब किसी की आलोचना नहीं करते हैं। जब वह 23 साल के थे तो उनके पिता को लकवा मार दिया था। इसके बाद उन्होंने क्रिकेट से कुछ समय के लिए ब्रेक लिया था।

सबसे कठिन रहा साल 2015

आकाश के लिए 2015 उनके जीवन का सबसे कठिन साल रहा। उन्होंने तीन महीने के अंदर अपने पिता और भाई दोनों को खो दिया था। पिता का निधन स्ट्रोक के कारण हुआ था। वहीं, दो महीने बाद उनके भाई ने भी दुनिया छोड़ दी। आकाश के घर में पैसे नहीं थे। उन्हें अपनी मां की देखभाल करनी थी। इस कारण उन्होंने क्रिकेट को तीन साल के लिए छोड़ दिया था।

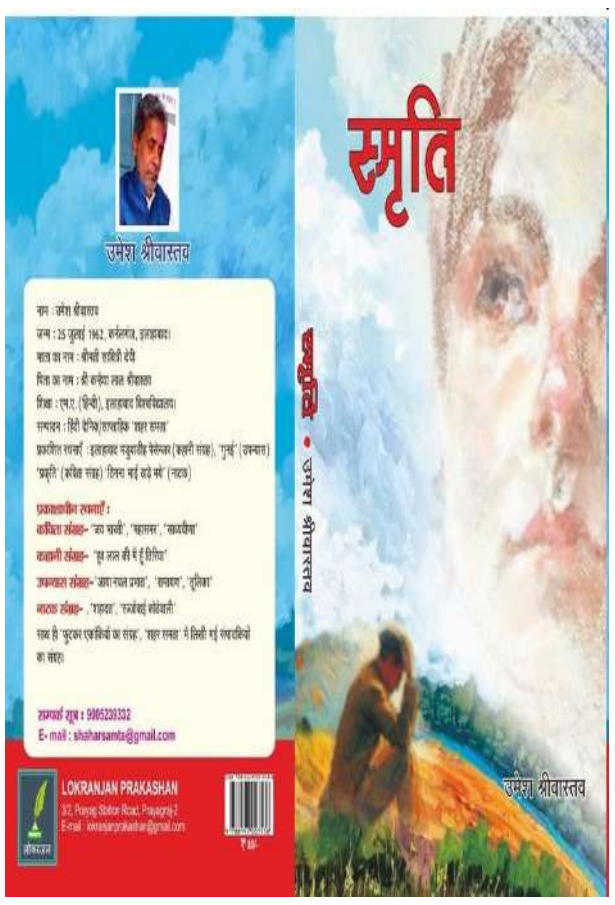

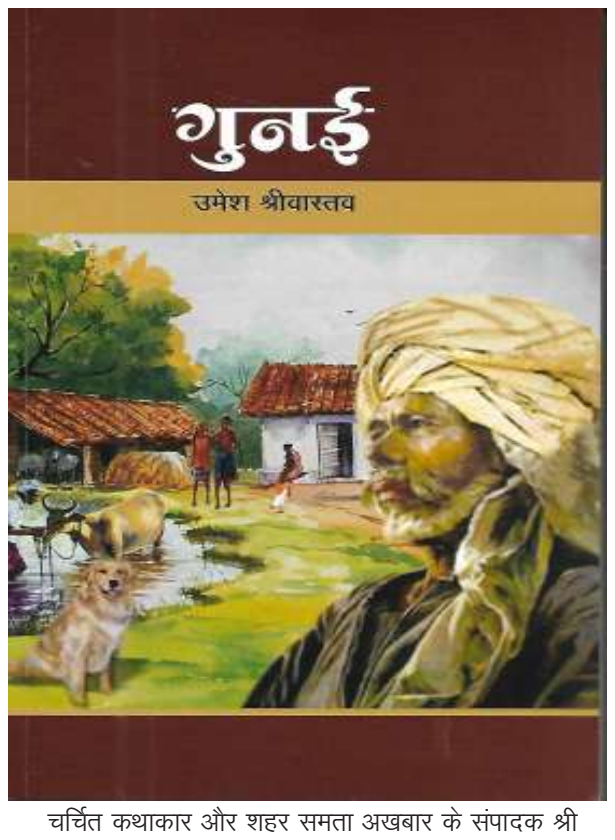

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

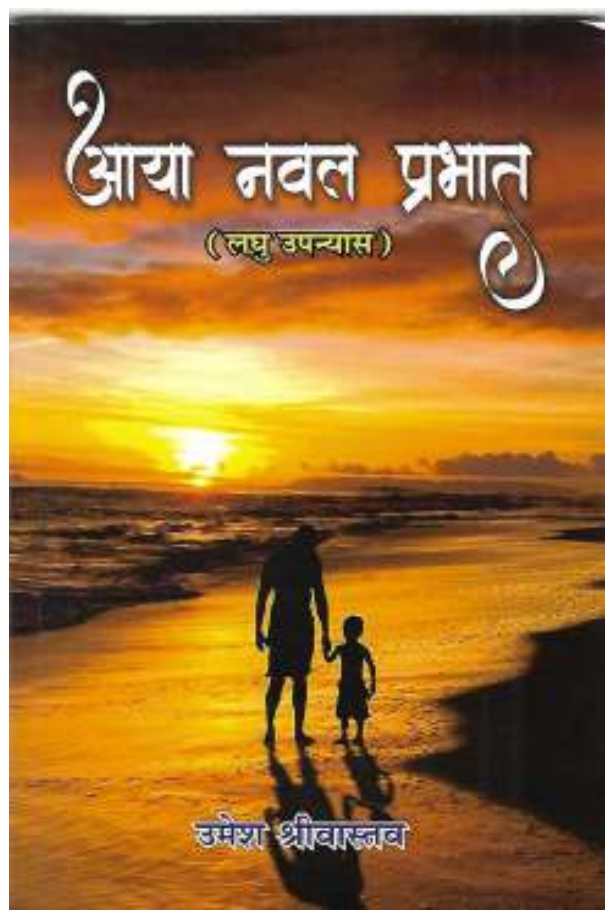

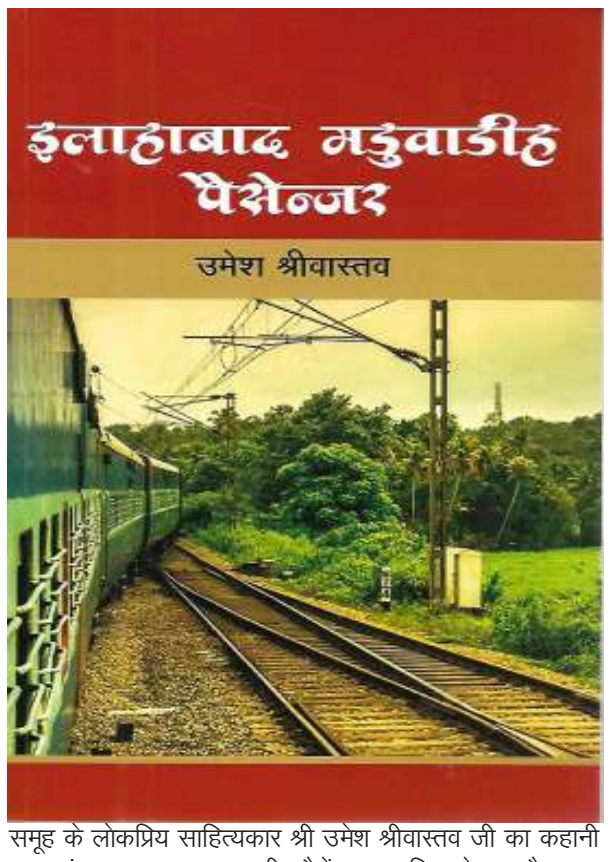

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

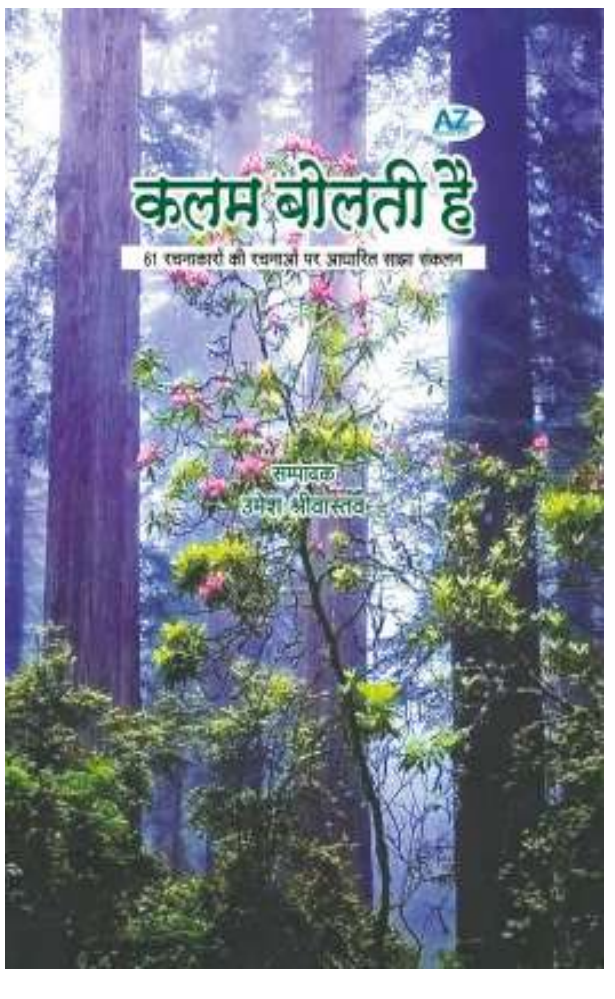

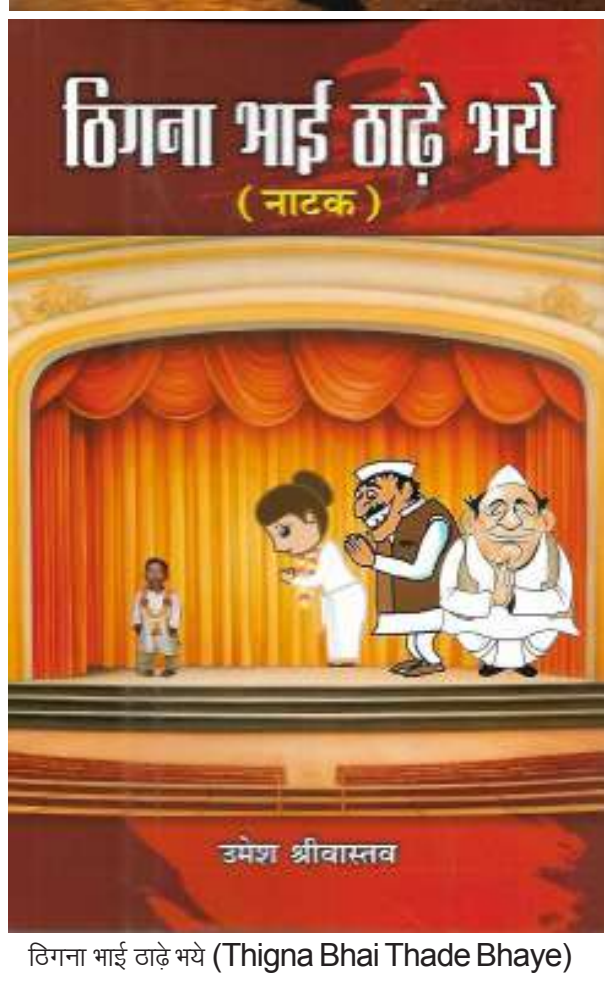

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

भारत को वांछित अपराधी सौंपने पर राजी हुए बिलावल भुट्टो

पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के प्रमुख बिलावल भुट्टो ज़रदारी ने हाल ही में एक ऐसा बयान दिया है जिसने भारत–पाक संबंधों में एक बार फिर से राजनीतिक सरगर्मी पैदा कर दी है। उन्होंने कहा है कि यदि किसी व्यक्ति पर जांच के दायरे में आने वाले गंभीर आरोप हों और भारत उसकी मांग करे, तो उसे भारत को सौंपा जा सकता है। इस बयान को जहां एक ओर कुछ लोग एक ष्नरम पड़ती नीतिष् के संकेत के तौर पर देख रहे हैं, वहीं पाकिस्तान में विपक्ष और कट्टरपंथी हलकों में यह बयान 'राष्ट्रहित के खिलाफ' बताया जा रहा है। हम आपको बता दें कि बिलावल का यह बयान ऐसे समय आया है जब पाकिस्तान आंतरिक अस्थिरता, आर्थिक बदहाली और बढ़ते आतंकी नेटवर्क से जूझ रहा है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान की छवि लगातार खराब हो रही है और थ्।ज्थ जैसे मंचों पर उस पर निगरानी की तलवार लटकी हुई है। ऐसे में भारत के प्रति कुछ हद तक सकारात्मक संकेत देने की कोशिश की जा रही है ताकि कूटनीतिक दबाव को कुछ कम किया जा सके। साथ ही भारत के साथ प्रत्यर्पण पर सार्वजनिक रूप से ऐसा बयान देना यह दिखाता है कि पाकिस्तान की युवा राजनीतिक पीढ़ी, विशेषकर बिलावल भुट्टो जैसे नेता, वैश्विक दबावों को समझते हुए यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाना चाहते हैं। परंतु यह सवाल भी उठता है कि क्या यह बयान वास्तव में नीति परिवर्तन का संकेत है या फिर यह केवल एक ष्छवि निर्माणष् की रणनीति भर है? हम आपको याद दिला दें कि हाल ही में बिलावल ने सिंधु जल संधि को भारत द्वारा स्थगित किये जाने के मुद्दे पर कहा था कि यदि पानी नहीं बहेगा तो खून बहेगा। दूसरी ओर, बिलावल के बयान के तुरंत बाद पाकिस्तान में इमरान खान की पार्टी च्ज् और कई कट्टरपंथी इस्लामी संगठनों ने इसे ष्राष्ट्रविरोधीष् करार दिया। उनका आरोप है कि भुट्टो परिवार भारत के साथ अनावश्यक नरमी दिखा रहा है और देश की सुरक्षा को दांव पर लगा रहा है। यहां तक कि पाकिस्तान की सेना के अनौपचारिक हलकों से भी इस बयान को लेकर अप्रसन्नता जताई गई है। पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) ने बिलावल भुट्टो जरदारी को राजनीति में अपरिपक्व बताते हुए उनके बयान के लिए आलोचना की है। हम आपको बता दें कि 'डॉन' समाचार पत्र की एक खबर के अनुसार, बिलावल ने शुक्रवार को कहा था कि उनके देश को विश्वास बहाली के उपाय के रूप में 'जांच के दायरे में आए व्यक्तियों' को भारत को प्रत्यर्पित करने में कोई आपत्ति नहीं है, बशर्ते नयी दिल्ली इस प्रक्रिया में सहयोग करने की इच्छा दिखाए। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल ने 'अल जजीरा' के साथ एक साक्षात्कार में कहा था, ''हम जिन मुद्दों पर चर्चा करते हैं, आतंकवाद उनमें से एक है और मुझे यकीन है कि पाकिस्तान एक व्यापक वार्ता के तौर पर इनमें से किसी भी चीज का विरोध नहीं करेगा।'' लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी) सरगना हाफिज सईद और जैश–ए–मोहम्मद (जेईएम) सरगना मसूद अजहर को संभावित समझौते और सद्भावनापूर्ण रुख के तहत भारत को प्रत्यर्पित करने के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए बिलावल ने यह टिप्पणी की थी। हम आपको बता दें कि राष्ट्रीय आतंकवाद निरोधक प्राधिकरण के अनुसार, लश्कर–ए–तैयबा और जैश–ए–मोहम्मद दोनों को पाकिस्तान ने प्रतिबंधित कर रखा है, जबकि 26/11 मुंबई आतंकी हमले का मुख्य षड्यंत्रकारी हाफिज सईद वर्तमान में आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए 33 साल की सजा काट रहा है। इसी तरह संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक आतंकवादी घोषित अजहर को भी प्राधिकरण ने प्रतिबंधित कर रखा है। विपक्ष का कहना है कि बिलावल का प्रस्ताव गलत है और पाकिस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ठीक नहीं है तथा ऐसे बयान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश को अपमानित करते हैं। पाकिस्तानी विपक्ष का कहना है कि हम यह नहीं समझ पा रहे हैं कि बिलावल भारत को खुश करने के लिए इतने उत्सुक क्यों हैं।'' इस बीच, हाफिज सईद के बेटे ने भी बिलावल की टिप्पणी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा, ''बिलावल भुट्टो को पाकिस्तानियों के प्रत्यर्पण के बारे में बात नहीं करनी चाहिए थी। उनका बयान देश की नीति, राष्ट्र हित और संप्रभुता के खिलाफ है और हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं।'' हाफिज सईद के बेटे हाफिज तल्हा सईद ने रविवार को लाहौर में एक बयान में कहा, ''बिलावल भुट्टो या तो जमीनी हकीकत को नहीं जानते या दुश्मन के विमर्श को बढ़ावा दे रहे हैं।'' उन्होंने सवाल किया कि क्या देश का कोई प्रतिनिधि अपने नागरिकों को दुश्मन देश को सौंपने की बात कर सकता है? तल्हा ने अपने पिता का बचाव करते हुए कहा कि सईद का कोई भी कदम पाकिस्तान के खिलाफ नहीं है। रिपोर्टों के मुताबिक सईद 2019 से लाहौर की कोट लखपत जेल में है। हम आपको बता दें कि सईद को आतंकी गतिविधियों के वित्तपोषण मामलों में दोषी ठहराया गया था। उसका आतंकवादी संगठन लश्कर–ए–तैयबा 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के लिए जिम्मेदार है, जिसमें 166 लोग मारे गए थे। इस बीच, राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह बयान बिलावल की नव–युवक छवि को प्रगट करने की कोशिश भी हो सकती है, जिससे वे अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक परिपक्व और जिम्मेदार नेता के रूप में उभर सकें। उधर, भारत की ओर से अभी तक इस पर कोई औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन सुरक्षा और विदेश नीति से जुड़े विशेषज्ञों ने इसे सैद्धांतिक रूप से सकारात्मकष् बताया है। हम आपको बता दें कि भारत वर्षों से पाकिस्तान से वांछित आतंकवादियों और अपराधियों के प्रत्यर्पण की मांग करता रहा है, जिनमें दाऊद इब्राहिम और हाफिज सईद जैसे नाम शामिल हैं। यदि पाकिस्तान वाकई गंभीरता से इस दिशा में कुछ कदम उठाता है, तो यह दक्षिण एशिया में सुरक्षा सहयोग की दिशा में एक उल्लेखनीय प्रगति होगी। लेकिन भारत यह भी भलीभांति जानता है कि पाकिस्तान की सियासत और ब्यूरोक्रेसी में ष्बयान और नीतिष् के बीच गहरी खाई होती है। बहरहाल, बिलावल भुट्टो का यह बयान भारत–पाक संबंधों में एक असामान्य पहल के रूप में देखा जा सकता है, लेकिन इसकी वास्तविकता ज़मीनी स्तर पर लागू होने पर ही परखी जा सकेगी। यह बयान जहां पाकिस्तान में नई पीढ़ी की सोच का संकेत देता है, वहीं इससे भारत को कोई तात्कालिक लाभ मिलने की संभावना कम ही है। साथ ही इस मुद्दे पर हो रही राजनीति दरअसल पाकिस्तान के अंदरूनी सत्ता संघर्ष, विचारधारात्मक टकराव और कूटनीतिक अस्थिरता को दर्शाती है।

संक्षिप्त

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पाकिस्तानी तालिबान ने अर्धसैनिक बल के तीन जवानों की हत्या की

उत्तर–पश्चिमी ख़ैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पाकिस्तानी तालिबान से जुड़े आतंकवादियों द्वारा कथित तौर पर दो दिनों तक बंधक बनाए रखने के बाद अर्धसैनिक बल के तीन जवानों की हत्या कर दी गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि प्रतिबंधित तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के शहजैब बेटनी समूह के आतंकवादियों ने दो दिन पहले टैंक जिले में एक यात्री वाहन से तीन निहत्थे फ्रंटियर कॉर्प्स जवानों को अगवा कर लिया। उसने बताया कि दोनों के शव लक्की मरवात जिले के पेजू बयाना क्षेत्र के पहाड़ी क्षेत्र में पाए गए। उनकी पहचान लांस नायक नसीम, घ्ध्लांस नायक मुहम्मद राशिद और सिपाही मुहम्मद शेर के रूप में हुई है।

उत्तरी इराक में गुफा में मीथेन गैस के संपर्क में आने से पांच सैनिकों की मौत

मंत्रालय ने बताया कि सैनिक एक पहाड़ी गुफा में अवशेष तलाश रहे थे, तभी 19 सैनिक मीथेन गैस के संपर्क में आ गए। यह गैस बिना रंग और गंध की होती है, ज्वलनशील होती है और ज्यादा मात्रा में होने पर दम घुटने से मौत भी हो सकती है। उत्तरी इराक की एक गुफा में 2022 में कुर्द उग्रवादियों द्वारा मारे गए एक सैनिक के अवशेषों की रविवार को तलाश करते समय मीथेन गैस के संपर्क में आने से तुर्किये के पांच सैनिकों की मौत हो गई। तुर्किये के रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि सैनिक एक पहाड़ी गुफा में अवशेष तलाश रहे थे, तभी 19 सैनिक मीथेन गैस के संपर्क में आ गए। यह गैस बिना रंग और गंध की होती है, ज्वलनशील होती है और ज्यादा मात्रा में होने पर दम घुटने से मौत भी हो सकती है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जिसमें से पांच जवान की मौत हो गयी।'' इसमें कहा गया, ''इलाके में बचाव अभियान जारी है।

मादक पदार्थ तस्करी में दो भारतीय और दो नेपाली गिरफ्तार

नेपाल में मादक पदार्थ की तस्करी करने की दो अलग–अलग घटनाओं में भारत के दो नागरिकों सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि रविवार को एक गुप्त सूचना के आधार पर बिहार की 45–वर्षीय एक भारतीय महिला और पूर्वी नेपाल के मोरंग जिले के दो नेपाली नागरिकों को प्रतिबंधित सामग्री के साथ गिरफ्तार किया गया। नेपाल पुलिस के 'नारकोटिक ड्रग्स कंट्रोल ब्यूरो' के अनुसार, आरोपियों की पहचान भारतीय महिला हसीना खातून के रूप में हुई है। वहीं, नेपाल के नागरिकों की पहचान 38 वर्षीय सुशील बुधाथोकी और 54 वर्षीय कृत्यानंद ठाकुर के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि वे 400 ग्राम ब्राउन हेरोइन ले जा रहे थे और उन्हें मोरांग जिले के रंगेली नगर पालिका से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने छापेमारी के दौरान तीनों को पकड़ने के लिए गोलियां चलाईं और उन्हें गिरफ्तार करने के बाद मामले में आगे की जांच शुरू कर दी है। एक अन्य मामले में, 65 वर्षीय भारतीय नागरिक राकेश वहाब को शनिवार देर शाम त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया और उसके पास से6.5 किलोग्राम सफेद हेरोइन बरामद की गई।

रूस और यूक्रेन के बीच ड्रोन हमले, हवाई यात्रा बाधित

रूस और यूक्रेन ने रविवार को एक–दूसरे पर सैकड़ों ड्रोन से हमला किया, जिससे रूसी हवाई यातायात में व्यवधान उत्पन्न हो गया। यह हमला तीन साल से अधिक पुराने युद्ध में मॉस्को द्वारा सबसे बड़ा हवाई हमला करने के कुछ दिनों बाद हुआ है। रूस के परिवहन मंत्रालय के अनुसार, सोशल मीडिया पर प्रसारित तस्वीरों में मॉस्को और सेंट पीटर्सबर्ग सहित अन्य रूसी हवाई अड्डों पर भीड़ देखी जा सकती है, क्योंकि शनिवार और रात को यूक्रेनी ड्रोन हमलों के कारण सैकड़ों उड़ानें विलंबित या रद्द कर दी गईं। मॉस्को के शेरेमेत्येवो और सेंट पीटर्सबर्ग के मुख्य पुलकोवो हवाई अड्डों पर उड़ानें बाधित रहीं। पश्चिमी और मध्य रूस के अन्य हवाई अड्डों पर भी उड़ानें बाधित रहीं। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने रात के हमलों के दौरान 120 यूक्रेनी ड्रोन को नष्ट कर दिया, और रविवार को दोपहर दो बजे से पहले 39 और ड्रोन को मार गिराया। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को बड़े पैमाने पर रूसी ड्रोन हमलों में कीव में तीन नागरिक और उत्तर–पूर्व में यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव में कम से कम दो नागरिक घायल हो गए। स्थानीय गवर्नर विटाली किम के अनुसार, शाहेद ड्रोन से किए गए एक बड़े रूसी हमले में मध्य यूक्रेन के माइकोलाइव में बंदरगाह के बुनियादी ढांचे को भी निशाना बनाया गया। उन्होंने बताया कि गोदामों और बंदरगाह के बिजली ग्रिड को नुकसान पहुंचा है, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ।

ट्रंप ने 'ब्रिक्स की अमेरिकी विरोधी नीतियों' का साथ देने वाले देशों पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की दी धमकी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिक्स समूह की ''अमेरिका विरोधी नीतियों'' का साथ देने वाले देशों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की धमकी दी है। ब्रिक्स समूह के ट्रंप का नाम लिए बिना शुल्क वृद्धि की निंदा करने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह धमकी दी है। ब्रिक्स समूह में शामिल देशों के नेता छह–सात जुलाई को 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए ब्राजील में मिल रहे हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर रविवार रात को लिखा, '' ब्रिक्स की अमेरिका विरोधी नीतियों से जुड़ने वाले किसी भी देश पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया जाएगा।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

टैरिफ से किसी को लाभ नहीं होता, ये देशों पर दबाव बनाने की कोशिश, ट्रंप की धमकी पर आया चीन का रिएक्शन

चीन ने सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 10ः टैरिफ़ धमकी का कड़ा विरोध किया और कहा कि इसका इस्तेमाल दूसरे देशों पर दबाव बनाने के लिए एक उपकरण के रूप में किया जा रहा है। चीनी विदेश मंत्रालय की ओर से यह ताज़ा बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा विकासशील देशों के ब्रिक्स समूह के साथ गठबंधन करने वाले देशों पर अतिरिक्त 10ः टैरिफ़ लगाने की धमकी के बाद आया है।

चीन ने ट्रंप की धमकियों पर कड़ा विरोध जताया

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने एक नियमित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि टैरिफ के इस्तेमाल से किसी को कोई फायदा नहीं है। इससे पहले दिन में ट्रंप ने ब्रिक्स समूह की

अमेरिका विरोधी नीतियों से जुड़े देशों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की धमकी दी थी।

10प्रतिशत टैरिफ पर ट्रम्प ने क्या कहा

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि कोई भी देश जो ब्रिक्स की अमेरिका विरोधी नीतियों से जुड़ता है, उस पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाया जाएगा। इस नीति में कोई अपवाद नहीं होगा। इस मामले पर आपका ध्यान देने के लिए धन्यवाद!

उनकी यह टिप्पणी ब्रिक्स ब्लॉक द्वारा ट्रम्प का नाम लिए बिना टैरिफ़ में वृद्धि की निंदा करने के बाद आई है। ब्रिक्स के नेता 6–7 जुलाई को 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए ब्राज़ील में मिल रहे हैं। मूल रूप से ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ़्रीका से बना ब्रिक्स 2024 में मिस्र, इथियोपिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात को शामिल करने के लिए विस्तारित हुआ, जिसमें 2025 में इंडोनेशिया भी शामिल हो गया। ट्रम्प ने एक अलग पोस्ट में यह भी कहा कि अमेरिका सोमवार से विभिन्न देशों को टैरिफ और सौदों पर पत्र भेजेगा।

ऑपरेशन सिंदूर में राफेल विमानों पर चीन ने क्या झूठ फैलाया, भड़के मोदी के दोस्त मैक्रों लेंगे जिनपिंग से बदला ?

आज का दौर मॉर्डन डे वॉर फेयर का है और इंफार्मेशन वॉर इसका एक अहम पार्ट है। फॉल्श न्यूज के जरिए नैरेटिव गढ़ने का भी काम लगातार अपने दुश्मन देश के खिलाफ किया जाता है। चालबाज चीन को लेकर तो इसमें महारत हासिल है। वो अक्सर दूसरे देशों की जानकारियां चुराने की कोशिश में तो लगा ही रहता है। इसके अलावा दुष्प्रचार के जरिए भी लगातार फेक नैरेटिव गढ़ने की कोशिश करता रहता है। अब फ्रांसीसी खुफिया एजेंसियों ने चीन की फेक न्यूज फैक्ट्री को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। चीन ने इस साल मई में भारत–पाकिस्तान के बीच हुई झड़पों में राफेल लड़ाकू विमान के पहले लड़ाकू विमान के बाद उसे बदनाम करने के लिए अपने दूतावासों को तैनात किया था, ताकि फ्रांसीसी हथियारों के निर्यात को पटरी से उतारा जा सके। एसोसिएटेड प्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार, फ्रांसीसी खुफिया एजेंसियों ने पाया कि चीनी रक्षा अटैचियों ने इंडोनेशिया जैसे देशों से राफेल की खरीद को रद्द करने या पुनर्विचार करने का आग्रह किया, और इसके बजाय चीनी निर्मित विकल्पों को बढ़ावा दिया।

फ्रांस की खुफिया रिपोर्ट में क्या दावा किया गया?

फ्रांस की खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के दूतावासों में तैनात रक्षा अधिकारियों ने दूसरे देशों को यह समझाने की कोशिश की कि वे राफेल विमान न खरीदें और इसकी जगह चीन के बनाए विमान लें। खासतौर पर, जिन देशों ने पहलेसे राफेल खरीदे हैं जैसे– इंडोनेशिया, उन्हें और खरीदने से रोकने की कोशिश की गई। फ्रांसीसी सेना के अधिकारी ने पहचान गुप्त रखते हुए रिपोर्ट साझा की। फ्रांस का कहना है कि चीन और पाकिस्तान ने मिलकर राफेल के खिलाफ गलत जानकारी फैलाने का अभियान चलाया। सोशल मीडिया पर झूठी तस्वीरें, विडियो गेम की नकली क्लिप और ।प से बनाए गए फर्जी कंटेंट फैलाए गए, ताकि ऐसा लगे कि राफेल विमान जंग में नाकाम रहे। पाकिस्तान ने दावा किया कि उसने लड़ाई में भारत के पांच विमान गिराए, जिनमें तीन राफेल भी शामिल हैं। फ्रांसीसी अधिकारियों का कहना है कि इससे उन देशों की ओर से राफेल के प्रदर्शन को लेकर सवाल उठे, जन्होंने फ्रांसीसी निर्माता दसों एविएशन से लड़ाक विमान खरीदे हैं।

चीन ने आरोप नकारे

चीन के रक्षा मंत्रालय ने रिपोर्ट के नकारा है। मंत्रालय ने एक बयान – में कहा, श्ये दावे बिलकुल निराधार अफवाह और बदनाम करने के लिए हैं। चीन ने सैन्य निर्यात के लिए लगातार विवेकपूर्ण और जिम्मेदार नजरिया बनाए रखा है। क्षेत्रीय और वैश्विक शांति और स्थिरता में रचनात्मक भूमिका निभाई है।श भारत–पाकिस्तान के संघर्ष के बाद से कई देश यह जानने में लगे हैं कि चीन के बनाए जेट–मिसाइलों ने कैसा प्रदर्शन किया और राफेल विमानों के मुकाबले वे कैसे रहे।

इजराइल ने यमन में हूती विद्रोहियों पर हवाई हमले किए, हूतियों ने दागी मिसाइल

इजराइल की सेना ने यमन में हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले बंदरगाहों और उनके ठिकानों को निशाना बनाकर सोमवार तड़के हवाई हमले किए जिसके जवाब में विद्रोहियों ने भी इजराइल की ओर मिसाइल दागी। इजराइल की सेना ने कहा कि उसने हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले होदेदा, रास ईसा और सालिफ बंदरगाहों के साथ–साथ रास कनातिब ऊर्जा संयंत्र पर हमले किए। उसने कहा, ''इन बंदरगाहों का इस्तेमाल हूतियों द्वारा ईरान की सरकार से हथियार लाने के लिए किया जाता है। ये हथियार फिर इजराइल और उसके सहयोगियों के खिलाफ आतंकवादी हमलों में इस्तेमाल किए जाते हैं।'' इजराइल की सेना ने कहा कि उसने 'गैलेक्सी लीडर' जहाज पर भी हमला किया। यह वाहन ले जाने वाला एक जहाज है। इस पर हूतियों ने नवंबर 2023 में उस समय कब्जा कर लिया था जब उसने इजराइल–हमास संघर्ष के विरोध में लाल सागर गलियारे में हमले शुरू किए थे। इजराइल की सेना ने कहा, ''हूती विद्रोहियों ने जहाज पर एक रडार प्रणाली लगाई थी और वे इसका इस्तेमाल अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र में जहाजों का पता लगाने के लिए कर रहे हैं ताकि आगे की आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दिया जा सके।'' बहामास के ध्वज वाला जहाज 'गैलेक्सी लीडर' एक इजराइली अरबपति से संबंधित था। इजराइली सेना ने कहा कि जहाज पर कोई इजराइली मौजूद नहीं था। हूती विद्रोहियों ने इन हमलों की पुष्टि की लेकिन उसने हमले में हुए नुकसान के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। हूती विद्रोहियों के सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारी ने दावा किया कि उनकी वायु रक्षा सेना ने ''इजराइल के हमले का प्रभावी तरीके से सामना किया'' लेकिन उन्होंने इसके समर्थन में कोई साक्ष्य नहीं दिया। हूतियों ने जवाब में इजराइल पर मिसाइल हमला किया। इजराइल की सेना ने कहा कि उन्होंने मिसाइल को रोकने की कोशिश की लेकिन ऐसा लगता है कि मिसाइल लक्ष्य तक पहुंच गई। इस हमले में हालांकि, किसी के घायल होने की अभी कोई जानकारी नहीं मिली है। इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने और हमलों की चेतावनी दी है। काट्ज ने एक बयान में कहा, ''जैसा कि ईरान को उसके किए की सजा मिली, ऐसी ही हूतियों को भी मिलेगी। जो कोई भी इजराइल के खिलाफ हाथ उठाएगा, उसके हाथ काट दिए जाएंगे। हूतियों को अपने किए की भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।'' ये हमले रविवार को लाल सागर में लाइबेरियाई ध्वज वाले जहाज को निशाना बनाकर किए गए हमले के बाद किए गए। इस हमले में लाइबेरियाई ध्वज वाले जहाज में आग लग गई थी और उसमें पानी भर गया था जिसके बाद चालक दल को जहाज को छोड़ना पड़ा। यूनान के स्वामित्व वाले बल्क कैरियर जहाज 'मैजिक सीज' पर हुए हमले के लिए तत्काल हूती विद्रोहियों पर संदेह जताया गया। एक सुरक्षा कंपनी के अनुसार, जहाज पर पहले छोटे हथियारों और रॉकेट से दागे जाने वाले ग्रेनेट (आरपीजी) से हमले के बाद बम से लैस ड्रोन नौकाओं ने उसे निशाना बनाया।

ब्रिक्स का नया सदस्य बना इंडोनेशिया, बेलारूस, मलयेशिया समेत दस देश बने सहयोगी

रियो डी जेनेरियो। इंडोनेशिया, ब्रिक्स संगठन का नया सदस्य देश बना है। वहीं दस देशों बेलारूस, बोलीविया, कजाकिस्तान, नाइजीरिया, मलयेशिया, थाईलैंड, क्यूबा, वियतनाम, युगांडा और उज्बेकिस्तान को सहयोगी देशों के तौर पर ब्रिक्स में शामिल किया गया है। ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में आयोजित हो रहे 17वें ब्रिक्स सम्मेलन के साझा बयान में कहा गया कि हम इंडोनेशिया गणराज्य का ब्रिक्स सदस्य के रूप में स्वागत करते हैं।

साथ ही बेलारूस गणराज्य, बोलीविया, कजाकिस्तान, क्यूबा गणराज्य, नाइजीरिया, मलयेशिया, थाईलैंड, वियतनाम, युगांडा और उज्बेकिस्तान को ब्रिक्स भागीदार देशों के रूप में स्वागत करते हैं। साझा बयान में जलवायु वित्त पर ब्रिक्स नेताओं के रूपरेखा घोषणापत्र और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के वैश्विक शासन पर ब्रिक्स नेताओं के वक्तव्यों को शामिल किया गया है। साथ ही सामाजिक रूप से निर्धारित बीमारियों के उन्मूलन के लिए ब्रिक्स देशों की भागीदारी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।